RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-307 | जयपुर, मंगलवार, 05 मई 2026 | मूल्य-4 रुपये

बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार, 206 सीटें जीतीं, टीएमसी को 81 मिलीं, ममता भवानीपुर से हारीं

बंगाल ने भाजपा पर लुटाई ममता

नई दिल्ली

देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा का कमल खिल चुका है। भाजपा ने टीएमसी को पटखनी देते हुए 206 सीटें हासिल की हैं। वहीं, तमिलनाडु में डीएमके को बड़ा सियासी झटका देते हुए अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ा दल बनकर उभरी है। हालांकि, बिना गठबंधन के राज्य में विजय की सरकार नहीं बनेगी। इधर, असम में भाजपा ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में जीत की हैट्रिक लगाई है। असम में एनडीए को 102 सीटें मिली हैं। वहीं, देश में वाम दलों का आखिरी किला कहे जाने वाले केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुमत हासिल कर लिया है। उधर, पुदुचेरी में एक बार फिर से एनडीए सरकार की वापसी हुई है। सीएम एन रंगासामी के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार सरकार बनने जा रही है।

बंगाल की 293 सीटों के नतीजे आ गए। भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। बीजेपी को 206 सीटें मिलीं। वहीं ममता की पार्टी टीएमसी सिर्फ 81 पर सिमट गई। 2021 विधानसभा चुनाव की तुलना में टीएमसी को 134 सीटों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस के खाते में 2 सीट आईं, वहीं दो सीटें हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी ने जीतीं। दो अन्य के खाते में आईं। भवानीपुर से सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,114 वोटों से हराया। सुवेंदु के खिलाफ यह उनकी लगातार दूसरी हार है। 2021 विधानसभा चुनाव में सुवेंदु नंदीग्राम से ममता के खिलाफ जीते थे।

24 घंटे में हो जाएगा टीएमसी का सफाया

भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से जीत दर्ज करने के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'इस बार मैंने लगभग दस हजार वोटों से चुनाव जीता है। नंदीग्राम के हिंदू लोगों ने मुझे फिर से जिताया है। वहां पूरा मुस्लिम वोट टीएमसी को गया। मैं नंदीग्राम के हिंदुओं के लिए काम करूंगा। टीएमसी का अंत होगा। 24 घंटे के भीतर यह नष्ट हो जाएगी, इसका सफाया हो जाएगा। इस भ्रष्ट, परिवारवादी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है। हम वह काम करेंगे जो गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणापत्र में घोषित किया था और प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार आश्वासन दिया है। हम इसे पूरा करेंगे।

पुदुचेरी में एआईएनआरसी का शानदार प्रदर्शन

पुदुचेरी विधानसभा चुनाव के सभी 30 सीटों के नतीजे आ चुके हैं। इन नतीजों में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। एआईएनआरसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 सीटों पर कब्जा किया है। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कड़गम दूसरे नंबर पर रही है और उसे 5 सीटों पर जीत मिली है।

असम में भाजपा की बंपर जीत

असम विधानसभा चुनाव के सभी 130 सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। राज्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में एकतरफा जीत हासिल की है। भाजपा ने कुल 82 सीटों पर कब्जा किया है। इस बड़ी जीत के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। विपक्ष में बैठी कांग्रेस को इन चुनावों में भारी नुकसान हुआ है। कांग्रेस को केवल 19 सीटें ही मिल सकीं। क्षेत्रीय दलों में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और असम गण परिषद का प्रदर्शन एक जैसा रहा। इन दोनों पार्टियों ने 10-10 सीटों पर जीत दर्ज की है।

भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है और 4 सीटें जीतने में सफल रही है। इस चुनाव में नई पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम ने भी अपना खाता खोला है। टीवीके ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा और उसे केवल 1 सीट मिली है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को भी महज 1 सीट से संतोष करना पड़ा। इनके अलावा लचिया जननायक कड़गम और नेयम मक्कल कड़गम ने भी 1-1 सीट पर जीत दर्ज की है।

केरलम में 10 साल बाद कांग्रेस की वापसी

केरलम में 10 साल बाद कांग्रेस की वापसी हुई। कांग्रेस ने 140 में से 63 सीटें जीतीं। 26 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर सीपीआईएम रही। [illegible] की हार पर सीएम पिनाराई विजयन ने पद से इस्तीफा दिया। भाजपा ने राज्य में तीन सीटें जीतकर इतिहास रचा है। इनमें तिरुअनंतपुरम जिले में नेमोम और कझाकूट्टम और कोल्लम में चथनूर सीट शामिल हैं। 2021 में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। 2016 में राज्य में पहली बार भाजपा को जीत मिली थी।

चुनाव आयोग के अनुसार केरलम की 140 सदस्यीय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतगणना के आंकड़ों के अनुसार, यूडीएफ ने 102 सीटें जीतीं, जबकि माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ को 35 सीटें मिलीं।

मंत्रिमंडल के 21 सदस्यों में से केवल मुख्यमंत्री पी. विजयन, पीए मोहम्मद रियास, के राजन, जीआर अनिल, केएन बालागोपाल, पी. प्रसाद और साजी चेरियन ही चुनाव जीत सके, वहीं मुख्यमंत्री पद के दावेदारों, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला और विपक्ष के नेता वीडी सतीशान ने अपनी-अपनी सीटें जीत ली हैं।

तमिलनाडु में विजय थलपति

विजय की पार्टी टीवीके ने 107 सीटें जीतीं

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने 107 सीटें जीतीं। हालांकि पार्टी बहुमत के आकंड़े 118 सीट से पीछे है। राज्य में गठबंधन की सरकार बनना तय है। तमिलनाडु के सीएम और डीएमके चीफ एमके स्टालिन को हार मिली है। उनकी ही पार्टी से बागी हुए वीएस बाबू ने स्टालिन के खिलाफ कोलाथुर सीट से चुनाव लड़ा और 8 हजार वोटों से हराया। बाबू पहले [illegible] में थे, फरवरी 2026 में ही उन्होंने विजय की पार्टी जॉइन की थी। इस बीच विजय के ड्राइवर के बेटे आर. सबरिनाथन ने विरुगम्बक्कम सीट से जीत दर्ज की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नतीजों के बाद एक्स पर लिखा- हम जनता के फैसले को स्वीकार करते हैं और विजेताओं को बधाई देते हैं। पिछले पांच साल में हमने कई परियोजनाएं शुरू कीं और लोगों को अच्छा शासन दिया। तमिलनाडु को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया। चुनाव में हमने अपनी उपलब्धियों के आधार पर ही वोट मांगे। हमने लोगों से अपील की है कि हमारी कल्याणकारी योजनाएं जारी रखने के लिए हमें समर्थन दें।

उपचुनाव के नतीजे भी भाजपा के पक्ष में

विधानसभा उपचुनाव के नतीजे भी भाजपा के पक्ष में आए हैं। पार्टी ने सात में से चार पर जीत दर्ज की है। एक सीट पर उसके सहयोगी दल के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। कर्नाटक की दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में महाराष्ट्र की बारामती सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुनेत्रा पवार बड़े अंतर से जीती है। राहुरी से भाजपा उम्मीदवार अक्षय कार्डिले, गुजरात के उमरेठ सीट से भाजपा उम्मीदवार हर्षदभाई गोविंदभाई परमार ने जीत दर्ज की है। नगालैंड के कोरीडांग सीट पर भाजपा उम्मीदवार दाओचिर आई।

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला: पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की उल्लेखनीय सफलता के बाद कहा लोकतंत्र में जीत और हार स्वाभाविक है, लेकिन जीत के बाद बदले की भावना नहीं बल्कि बदलाव और विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने इसे भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताते हुए कहा कि इन चुनाव परिणामों ने दुनिया को दिखाया है कि भारत को 'लोकतंत्र की जननी' क्यों कहा जाता है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा वर्षों की साधना जब सिद्धि में बदलती है, तो जो संतोष व खुशी मिलती है, वही आज देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरों पर दिखाई दे रही है। उन्होंने इस जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि 'आपने कमाल कर दिया, कमल खिला दिया और नया इतिहास रच दिया।'

उन्होंने प. बंगाल, असम और पुदुचेरी में मिली जीत को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा यह सिर्फ सीटों की संख्या नहीं है, बल्कि भय, हिंसा व अस्थिरता की राजनीति को जड़ से उखाड़ने का जनादेश है। उन्होंने कहा कि 'बंगाल की पावन धरा पर आज एक नया सूर्य उदय हुआ है,' जो एक नए युग की शुरुआत का संकेत है और जिसका इंतजार पीढ़ियों से किया जा रहा था। मोदी ने कहा कि चुनावों में भारी मतदान, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। पश्चिम बंगाल में करीब 93 प्रतिशत मतदान को उन्होंने ऐतिहासिक बताते हुए कहा असम, तमिलनाडु, पुदुचेरी और केरल में भी नए मतदान रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि यह 'भारत के लोकतंत्र की सबसे उजली तस्वीर' है, जहां हर वर्ग सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा आज देश के 20 से अधिक राज्यों में भाजपा -एनडीए की सरकारें हैं, जो जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां भाजपा है, वहां सुशासन व विकास है। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा के उपचुनावों में पार्टी को जनता का आशीर्वाद मिला है। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा 'नारी शक्ति' विकसित भारत का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

उन्होंने आरोप लगाया कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों ने महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को रोकने का प्रयास किया था, जिसका जवाब महिलाओं ने चुनाव में दिया है। उन्होंने कहा भविष्य में भी महिलाओं की राजनीतिक भूमिका निर्णायक होगी। प्रधानमंत्री ने सपा पर भी निशाना साधते हुए कहा जिन्होंने संसद में महिला आरक्षण का विरोध किया, उन्हें आने वाले समय में महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। महिला विरोधी राजनीति करने वाले दल अपने पापों से बच नहीं सकते।

दक्षिण भारत में भी खिलेगा कमल: नबीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'आज 4 मई का दिन है और नतीजे आए हैं लेकिन मैं 4 जून 2024 को भी आपको याद करवाना चाहता हूं। जनता ने हमारे नेतृत्वकर्ता को जो समर्थन दिया था, जो विश्वास जताया था, उसमें कहीं न कहीं एक कसक रह गई थी और आज जब 4 मई को जनता ने हमें प्रचंड जीत दिलाई है तो 2024 की उस कसक को पूरा किया है और उसके बाद जब-जब चुनाव हुए हर राज्य में भाजपा को प्रचंड जीत देने का काम किया है। आने वाले समय में दक्षिण भारत में भी भाजपा का कमल खिलेगा।' नितिन नवीन ने कहा कि गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक एनडीए भाजपा की सरकार बन रही है। यह हमारे नेतृत्व के प्रति विश्वास और विचार का भी विस्तार है। ये पूरे चुनाव में नाकामी किसी और की नहीं ईडी गठबंधन के नेता राहुल गांधीकी है। इस चुनाव के परिणाम के बाद इंडि गठबंधन ताश के पत्ते की तरह बिखड़ जाएंगे। क्योंकि इन्होंने जनता के साथ अन्याय किया है। जिस प्रकार से नारी वंदन अधिनियम का अपमान करने का काम किया है, जनता ने उन्हें सबक सिखाने का काम किया है।

'मैं अमित शाह हूं...', बंगाल में ममता को दिया वो चैलेंज, जो 12 साल बाद हुआ पूरा

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को हराकर राज्य में उसके 15 साल के शासन का अंत कर दिया. बीजेपी को यह जीत अचानक नहीं मिली. एक ऐसे राज्य में जहां एक दशक पहले तक बीजेपी की लगभग कोई पकड़ नहीं थी. ऐसे में सोमवार को बीजेपी की प्रचंड जीत दिसंबर 2014 में कोलकाता में बीजेपी नेता अमित शाह के संकल्प की याद दिलाता है. अमित शाह ने 12 साल पहले कोलकाता के धर्मतला में एक रैली में ममता बनर्जी के उस सवाल का जिक्र किया था, जिसमें ममता ने पूछा था कि अमित शाह कौन हैं? उनका जवाब सरल था लेकिन उन्होंने टीएमसी को चुनौती देते हुए कहा कि मैं अमित शाह हूं. बीजेपी का एक छोटा सा कार्यकर्ता और मैं यहां बंगाल की धरती से तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेंकने आया हूं. अमित शाह के इस वीडियो को बहुत लोग भूल चुके थे लेकिन चार मई को बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के बाद यह वीडियो फिर से चर्चा में है. इसका कारण है कि शाह का वो वादा जो अब सच हो चुका है.

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया

महाराष्ट्र के बारामती सीट से NCP उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जीत का यह अंतर भारत में किसी विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा है। सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत पहले से लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। बारामती में मिली जीत के बाद सुनेत्रा पवार ने जनता का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह जीत लोगों के भरोसे, प्यार और समर्थन का नतीजा है, जिसे वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने अजित पवार को याद करते हुए कहा कि यह जीत उनके काम और यादों को समर्पित है। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों का आभार जताया और भरोसा दिलाया कि वे सभी वर्गों के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे और जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे।

कार-स्कूटी की टक्कर में 3 की जान गई, 2 घायल

रेलिंग तोड़कर 40 फीट नीचे गिरीं गाड़ियां

उदयपुर

उदयपुर में इनोवा क्रिस्टा और स्कूटी के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। स्कूटी सवार 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि कार सवार 2 लोग घायल हैं। दोनों गाड़ियां ब्रिज की रेलिंग तोड़ती हुई करीब 40 फीट नीचे जा गिरीं। हादसा प्रतापनगर थाना इलाके में रविवार देर रात हुआ। प्रतापनगर थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित ने कहा- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। युवकों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। प्रतापनगर थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित ने बताया कि

स्कूटी सवार तीनों युवक कैटरिंग का काम करते थे। वे रविवार रात करीब 1:30 बजे एक शादी समारोह का काम निपटाकर प्रतापनगर से मादड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एकलिंगपुरा चौराहा से प्रतापनगर की तरफ आ रही इनोवा कार से स्कूटी की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी, कार के नीचे फंस गई। दोनों वाहन रेलिंग उखाड़ते हुए ब्रिज से नीचे गिर गए। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

प्रदेश में बारिश के साथ ओले गिरे, तापमान में गिरावट

जयपुर

पश्चिम विक्षोभ के असर से प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर लगातार हुआ है। सोमवार को अजमेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौडगढ़, डबोक, चूरू सहित अन्य स्थानों पर बारिश हुई। इस दौरान झालावाड़ और भीलवाड़ा में ओले गिरे। राजसमंद जिले के बरडाया गांव में बकरियां चराने खेत में गए नाबालिग की बिजली गिरने से मौत हो गई।

पेड़ के नीचे खड़ी 16 बकरियों ने भी दम तोड़ दिया। आंधी बारिश के चलते प्रदेश के शहरों के तापमान में 2 से 8 डिग्री की गिरावट दर्ज की। जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर को छोड़कर बाकी शहरों का पारा 40 डिग्री से नीचे रहा। 42.3 डिग्री के साथ जैसलमेर का

दिन और 31.2 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। वहीं 14 शहरों का रात का पारा 25 डिग्री के पार दर्ज किया।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार देर रात को प्रदेश के करीब 1 दर्जन शहरों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश पिलानी में एक इंच दर्ज की गई। आंधी-बारिश के चलते कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए तो वहीं टीनशेड, होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर सहित बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। सोमवार को बारिश, आंधी से भीलवाड़ा के आसींद में शादी में लगे टेंट तक उड़ गए। झालावाड़ के अकलेरा में शाम 4:15 बजे करीब 20 मिनट तक बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम के इस बदलाव से प्रदेश के अधिकांश शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में कहीं कहीं पर मेघगर्जन एवं आंधी के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। राज्य में रविवार को सर्वाधिक बारिश श्रीमाधोपुर (सीकर) में 48.0 मिमी दर्ज की। वर्तमान में राज्य में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज होकर तापमान 39-41 डिग्री दर्ज किये जा रहे हैं जो औसत सामान्य तापमान से नीचे है। आगामी तीन-चार दिन अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। 4 से 8 मई के बीच जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा सहित अन्य स्थानों पर बारिश की संभावना है तो वहीं कुछ स्थानों पर ओले भी गिरने सकते है।

कुत्तों ने 12 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

बूंदी

बूंदी जिले में कुत्तों ने 12 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला। बच्ची घर से कुछ दूरी पर खेत में गई थी। मासूम की चीखने के आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तो कुत्ते बच्ची को नोच रहे थे। लोगों ने कुत्तों को भगाकर बच्ची को हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना तालेड़ा उपखंड क्षेत्र के अलकोदिया गांव की सोमवार सुबह 6 बजे की है। परिजनों ने बताया कि बच्ची के शरीर पर गहरे घाव हो गए थे। सूचना पर तालेड़ा थाना पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

तालेड़ा थाने के हेड कॉन्स्टेबल ने बताया कि सोमवार सुबह तीसरी कक्षा की छात्रा रिंकू भील (12) पुत्री बंशी भील अपनी झोपड़ी से कुछ दूर खुले में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। तब तक कुत्ते बच्ची को बुरी तरह नोच चुके थे। परिजन घायल रिंकू को तालेड़ा अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है। सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है। यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा- कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है।एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियों मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4:30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

शिक्षा का मंदिर या सजा का अड्डा? सरकारी स्कूल में 200 उठक-बैठक लगवाने से 14 साल का छात्र हुआ बेहोश

गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर कांवा खेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से शिक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां डेपुटेशन पर लगी अध्यापिका कृष्णा सुथार ने 14 वर्षीय छात्र को भीषण गर्मी में उठक-बैठक की कठोर सजा दे दी। आरोप है कि पहले 100 और फिर अगले दिन 200 उठक-बैठक लगवाई गईं, शिक्षका द्वारा दी गई इस प्रताड़ना से छात्र स्कूल परिसर में ही बेहोश होकर गिर पड़ा। जिसे तुरंत एमजी अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग स्कूल पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। माहौल इतना गर्म हो गया कि आरोपित अध्यापिका मौके से बाइक पर बैठकर निकल गईं। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आरोपों को निराधार बताते हुए स्कूल में छात्र का एडमिशन ही नहीं होना बताया है।

पीड़ित की मां सुल्ताना बानो ने कहा कि मेरा बेटा 8 वीं कक्षा में पढ़ता है। मैं तीन-चार दिन पहले बेटे का एडमिशन करवाने स्कूल आई थीं, जहां शिक्षक ने मूल निवास प्रमाण पत्र मांगा। ई-मित्र की रसीद दिखाने पर भी प्रवेश नहीं दिया गया, जबकि पहले रसीद पर एडमिशन का आश्वासन दिया गया था। इस प्रक्रिया में उनके 500-600 रुपये खर्च हुए। इसके बाद सर ने उसे स्कूल में बैठाकर पढ़ाने का आश्वासन दिया तो वह स्कूल आने लग गया। सुल्ताना बानो ने शिक्षिका पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां कृष्णा मैडम ने पहले दिन 100 और अगले दिन 200 उठक-बैठक लगवाई, जिससे बच्चा भीषण गर्मी में बेहोश हो गया और उसे महात्मा गांधी अस्पताल ले जाना पड़ा। अगर स्कूल मे ऐसी सजा मिलेगी तो बच्चे स्कूल आने से डरेंगे और जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप मेहता ने कहा कि स्कूल में तीन स्थायी शिक्षक हैं, जिनमें से दो छुट्टी पर हैं। वर्तमान में वे स्वयं, एक बीएड प्रशिक्षु और दो डेपुटेशन शिक्षक मिलकर आठ कक्षाओं को संभाल रहे हैं। सातवीं-आठवीं कक्षा में बीएड इंटर्नशिप वाले शिक्षक हैं और यदि बच्चे शरारत कर रहे थे तो उन्हें डांटा गया होगा तथा कुछ उठक-बैठक लगवाई गई होगी। मेहता ने यह भी कहा कि जिस बच्चे को लेकर विवाद हो रहा है, उसका स्कूल में एडमिशन नहीं हुआ है और उसे बैठाने की अनुमति भी नहीं दी गई थी।

प्रधानाचार्य ने 100 या 200 उठक-बैठक लगवाने के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि अधिकतम 50-60 उठक-बैठक ही लगवाई गई होगी। उस समय मैं स्कूल से बाहर सामान लेने गए थे और सूचना मिलते ही लौट आए। मैने संबंधित बीएड इंटर्नशिप शिक्षिका कृष्णा सुथार को इसके लिए फटकार लगाते हुए भविष्य में ऐसा न करने की हिदायत दी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि ऐसी भीषण गर्मी में छात्र से 50 से 60 उठक-बैठक लगवाना भी कहां तक जायज है। परिजन अब प्रशासन से शिक्षक खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे है।

राजस्थान पंचायत-निकाय चुनाव पर नया अपडेट

राज्य निर्वाचन आयोग ने उठाया बड़ा कदम

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट पंचायत-निकाय चुनाव टालने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर 11 मई को सुनवाई करेगा। इस बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने भी चुनाव टालने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर दिया है। सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में अभी चुनाव कराना संभव नहीं है और दिसंबर तक हर महीने की स्थिति का हवाला देते हुए समय मांगा गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पेश प्रार्थना पत्र में भी चुनाव टालने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र का समर्थन किया है।

राजस्थान सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर में कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद चुनाव कराना बेहतर होगा, जिससे वन स्टेट वन इलेक्शन की धारणा को भी बल मिलेगा। वहीं कोर्ट के आदेश की पालना के लिए हरसंभव प्रयास किया, लेकिन वर्तमान परिस्थिति ऐसी है कि 15 अप्रैल तक चुनाव कराया जाना संभव नहीं हो सका।

सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट, स्कूल, स्टाफ, ईवीएम सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता का हवाला देकर हाईकोर्ट से चुनाव आगे खिसकाने का अनुरोध किया है।

शाहपुरा में पेयजल व्यवस्था में 9.80 करोड़ की दो जल परियोजनाओं का लोकार्पण

400 और 250 किलोलीटर के उच्च जलाशय शुरू, पाइपलाइन विस्तार से बढ़ेगी आपूर्ति क्षमता

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा निर्मित दो महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं का सोमवार को लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर इन परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

लोकार्पण कार्यक्रम के तहत शहरी जल योजना शाहपुरा में पाइपलाइन विस्तार कार्य के साथ महलों के चैक क्षेत्र में 400 किलोलीटर क्षमता के उच्च जलाशय का निर्माण पूरा कर चालू किया गया। इस परियोजना पर 2 करोड़ 9 लाख 39 हजार रुपये की लागत आई है, जिससे शहर के प्रमुख क्षेत्रों में जल आपूर्ति को मजबूत किया जाएगा।

इसके साथ ही केंद्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 250 किलोलीटर क्षमता के एक अन्य उच्च जलाशय का भी लोकार्पण किया गया। इस परियोजना पर 7 करोड़ 71 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से शहर की जल भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और भविष्य में बढ़ती आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

इस मौके पर विधायक डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इन योजनाओं के शुरू होने से शाहपुरा शहर में जल संकट की समस्या में काफी हद तक राहत मिलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री राजेन्द्र बोहरा, पूर्व पालिका अध्यक्ष रघुनन्दन सोनी, नगर भाजपा अध्यक्ष पंकज सुगंधी सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अन्नपूर्णा रसोई की सरकारी जमीन पर कब्जा, दो बार मांगने पर भी नहीं मिला पुलिस जाब्ता, पंचायत बेबस

अतिक्रमणकारी ने बनाया पक्का चबूतरा और मकान का रास्ता; अब 6 मई को आर-पार की कार्रवाई की तैयारी

स्मार्ट हलचल

शक्करगढ़/जहाजपुर। सरकारी जमीनों पर भू-माफियाओं के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण ग्राम पंचायत शक्करगढ़ में देखने को मिल रहा है। यहां जिस जगह पर कभी गरीबों का पेट भरने वाली 'अन्नपूर्णा रसोई' (पूर्व में इंदिरा रसोई) संचालित होती थी, आज उस सरकारी जमीन पर अवैध रूप से पक्का चबूतरा तान दिया गया है। पंचायत प्रशासन इस अतिक्रमण को हटाने के लिए दो बार पुलिस जाब्ते की मांग कर चुका है, लेकिन प्रशासन की ढिलाई के चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

रसोई हटी तो बना लिया मकान का रास्ता:

जानकारी के अनुसार, शक्करगढ़ में जिस स्थान पर पूर्व में इंदिरा रसोई चल रही थी, उसे प्रशासन ने अवैध बताकर वहां से हटा दिया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि रसोई हटने के बाद गांव के ही एक व्यक्ति प्रेमशंकर शर्मा (पिता बंशीलाल शर्मा) ने उस सरकारी जमीन पर कब्जा जमा लिया। अतिक्रमणकारी ने न केवल वहां पक्का चबूतरा बना लिया, बल्कि अपने मकान का रास्ता भी उसी जमीन से निकाल लिया। पुलिस जाब्ते के अभाव में कार्रवाई न होने से अतिक्रमणकारी के हौसले और भी बुलंद हो गए हैं।

उपखण्ड अधिकारी से गुहार, 6 मई को कार्रवाई की रणनीति:

इस ताज़ा मामले में निर्मल ग्राम पंचायत शक्करगढ़ ने उपखण्ड अधिकारी (स्ष्ठरू) को पत्र लिखकर गुहार लगाई है कि इस पक्के अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाया जाए। पंचायत प्रशासन ने अब आगामी 06 मई 2026 को फिर से अतिक्रमण हटाने की रणनीति बनाई है। ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच (प्रशासक) मनभर देवी ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पर्याप्त पुलिस बल मुहैया नहीं कराया जाएगा, इस सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराना मुश्किल है।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे बड़े सवाल:

इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का पूछना है कि क्या गरीबों के लिए बनी सरकारी रसोइयों की जमीन अब भू-माफियाओं के निजी चबूतरे बनाने के काम आएगी? दो बार लिखित मांग के बावजूद पुलिस बल उपलब्ध न होना क्या किसी मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है? अब पूरे गांव की नजरें 6 मई पर टिकी हैं कि क्या इस बार प्रशासन का बुलडोजर चलेगा या एक बार फिर 'जाब्ते का अभाव' बताकर अतिक्रमणकारी को अभयदान दे दिया जाएगा।

सत्यनारायण शर्मा बने ऑल इंडिया फेयर प्राइस राशन डीलर फेडरेशन भीलवाड़ा शहर के निर्विरोध अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। ऑल इंडिया फेयर प्राइस राशन डीलर फेडरेशन, भीलवाड़ा शहर की एक महत्वपूर्ण बैठक मुखर्जी उद्यान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्याम पुरोहित द्वारा की गई। बैठक के मुख्य एजेंडे के तहत भीलवाड़ा शहर की कार्यकारिणी के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें सभी सदस्यों की सहमति से सत्यनारायण शर्मा को सर्वसम्मति (निर्विवाद) रूप से शहर अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। प्रदेश जनरल सचिव संजय तिवाड़ी ने बताया कि नवनियुक्त अध्यक्ष शर्मा ने संगठन को मजबूती देने के लिए अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें निम्नलिखित मनोनयन किए गए, जिसमें उपाध्यक्ष सुश्री छाया नाविक, सचिव संजय खटीक, कोषाध्यक्ष संजय पोखरना, इसके साथ ही संगठन के मार्गदर्शन हेतु सुशील सक्सेना को संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में वरिष्ठ सदस्य के रूप में मुस्ताक अहमद, जगदीश चंद्र गर्ग, श्याम लाल पुरोहित, धन्ना लाल कटवाल एवं श्याम लाल जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक के अंत में उपस्थित सभी राशन डीलरों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और संगठन के हितों में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

10 वर्षीय बालिका को श्वानों ने नोंच-नोंच कर उतारा मौत के घाट

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिले के तालेड़ा उपखंड क्षेत्र में आवारा श्वानों का आतंक लगातार बढता जा रहा है। ताजा मामला अल्कोदिया गांव का है, जहां सोमवार अलसुबह एक 10 वर्षीय मासूम बच्ची को श्वानों के झुंड ने नोच-नोचकर मौत के घाट उतार दिया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मौजूद जानकारी के अनुसार सुबह करीब 6 बजे 10 वर्षीय बालिका रिंकू भील रोज की तरह स्कूल जाने से पहले झोपडी से बाहर खुले में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान पास में आवारा श्वानों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक श्वान उसे गंभीर रूप से घायल कर चुके थे। घायल अवस्था में बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी उमा शर्मा, डीएसपी राजेश टेलर सहित पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया प्रशासन की ओर से परिजनों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा श्वानों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और कई बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि सीतापुरा स्थित स्कूल में भी पहले डॉग बाइट की घटना हो चुकी है, जिसमें एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हुआ थी। मासूम की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

सार्वजनिक हैंडपंप पर कब्जा, मोटर लगाकर निजी उपयोग—ग्रामीण परेशान, पंचायत बनी मूकदर्शक

स्मार्ट हलचल

ग्राम पंचायत बाकरा के राजस्व गांव उरणा में सार्वजनिक संसाधनों पर कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक दबंग परिवार ने सरकारी हैंडपंप पर अवैध कब्जा कर उसमें विद्युत मोटर लगाकर उसे निजी उपयोग में ले लिया है, जिससे मोहल्ले के ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह हैंडपंप पूरे मोहल्ले के लिए एकमात्र जल स्रोत था, लेकिन अब उस पर कब्जा होने से आमजन पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है।

इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में लिखित शिकायत भी दी, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पंचायत की निष्क्रियता को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक हैंडपंप को कब्जे से मुक्त कराकर आमजन के लिए सुचारू रूप से चालू कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

तकनीक की ताकत से तय होगा भविष्य का युद्ध-रक्षा मंत्री का बड़ा संदेश

स्मार्ट हलचल

प्रयागराज। आधुनिक दौर में युद्ध केवल हथियारों से नहीं बल्कि तकनीक और रणनीति से जीते जाते हैं, और इसी बदलते परिदृश्य को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो राष्ट्र तकनीकी क्रांति को सबसे तेजी से अपनाएगा, वही भविष्य के युद्धों में निर्णायक बढ़त हासिल करेगा। सोमवार को प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय नॉर्थ टेक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उन्होंने सेना, उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रौद्योगिकी-चालित युग में अनुसंधान और अप्रत्याशित नवाचार ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और रूस-यूक्रेन जैसे संघर्षों में टैंक और मिसाइलों की जगह ड्रोन और सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों ने ले ली है, वहीं आम उपयोग की वस्तुएं भी अब खतरनाक हथियार बनती जा रही हैं। ऐसे में भारत को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा और ऐसी क्षमताएं विकसित करनी होंगी, जिससे जरूरत पड़ने पर दुश्मन पर अचानक और प्रभावी हमला किया जा सके। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि युद्ध में जीत उसी की होती है जिसके पास आश्चर्यजनक हमला करने की क्षमता होती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान को प्राथमिकता के केंद्र में रखा है और डीआरडीओ के माध्यम से इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा रहा है। अब डीआरडीओ उद्योगों और स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम कर रहा है, जिससे तकनीकी विकास को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, शिक्षा और स्टार्टअप्स को दिया जा रहा है, जिसमें अब तक 4500 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग हो चुका है। नई नीति के तहत तकनीक हस्तांतरण शुल्क को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डीआरडीओ अब तक 2200 से अधिक तकनीकों का हस्तांतरण उद्योगों को कर चुका है।

राजनाथ सिंह ने उद्योगों से अपील की कि वे निर्देशित ऊर्जा हथियार, हाइपरसोनिक तकनीक, क्वांटम तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे उभरते क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ें। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत की तकनीकी क्षमता और सैन्य तैयारी का सशक्त उदाहरण है, जिसमें आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी तकनीकों का सफल उपयोग किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आत्मनिर्भर भारत पहल की सराहना करते हुए कहा कि इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर दर्ज किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह वृद्धि और तेज होगी और इसमें निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियां भी भारतीय रक्षा उद्योग के साथ साझेदारी करने में रुचि दिखा रही हैं, जो भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है।

'रक्षा त्रिवेणी संगम' थीम पर आधारित इस संगोष्ठी को उन्होंने तकनीक, उद्योग और सैन्य शक्ति के संगम का महत्वपूर्ण मंच बताया और सुझाव दिया कि एक ज्ञान गलियारा विकसित किया जाए, जहां सभी विशेषज्ञ मिलकर भविष्य की चुनौतियों का समाधान खोज सकें। संगोष्ठी में 284 कंपनियों ने भाग लेकर अपने नवीनतम रक्षा नवाचारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एमएसएमई, स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। अंत में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि विश्व की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत बनना है, और इसके लिए तकनीक ही सबसे बड़ा हथियार साबित होगी।

चांद-सितारे नहीं, माता-पिता के चरण छूना सिखाइए- दिग्विजय राम

'संपत्ति विल देगी, संस्कार गुडविल देंगे ', भागवत कथा में संत ने दिया नई पीढ़ी को संस्कारों का संदेश

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। आधुनिकता की अंधी दौड़ में जहां नई पीढ़ी को ऊंचाइयों तक पहुंचने की होड़ सिखाई जा रही है, वहीं विजयपुर की पावन धरा से संत दिग्विजय राम ने एक ऐसा संदेश दिया जिसने हर श्रोता को आत्ममंथन के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि 'नई पीढ़ी को चांद-सितारे छूने की शिक्षा देने से पहले माता-पिता और गुरु के चरण छूना सिखाइए। संपत्ति केवल विल बनाएगी, लेकिन संस्कार गुडविल देंगे। ' अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के बीच स्थित विजयपुर में नृसिंहद्वारा के समीप राव नरेन्द्र सिंह कृषि फार्म पर मूंदड़ा परिवार की ओर से आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा मर्मज्ञ रामस्नेही संत दिग्विजय राम ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। रविवार को कथा के दौरान संत ने कहा कि आज समाज में भौतिक संपन्नता बढ़ रही है, लेकिन संस्कारों का क्षरण चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यदि माता-पिता अपनी संतान को केवल धन-संपत्ति देकर जाएंगे तो वह कानूनी दस्तावेज यानी 'विल' बनकर रह जाएगी, लेकिन यदि संस्कार देंगे तो वही संतान परिवार और समाज में 'गुडविल' बनाएगी। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि वृद्धाश्रम हमारी सनातन संस्कृति का हिस्सा कभी नहीं रहे। यह बदलते परिवेश और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण का परिणाम है, जो भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की गरिमा के प्रतिकूल है। उन्होंने माता-पिता की सेवा को परमात्मा की सच्ची सेवा बताते हुए कहा कि वास्तविक आनंद और परमानंद किसी तीर्थ या बाहरी साधन में नहीं, बल्कि अपने घर में माता-पिता की सेवा और सम्मान में छिपा है।

संत दिग्विजय राम ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज रिश्ते-नाते भी 'यूज एंड थ्रो' की मानसिकता के शिकार हो रहे हैं। यह समाज के विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौन व्रत और साधना व्यक्ति को भीतर से परिपक्व बनाती है। व्रत-उपवास केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का माध्यम हैं। कथा के दौरान उन्होंने ध्रुव, जड़भरत, भक्त प्रह्लाद, नृसिंह अवतार, राजा पृथु और अजामिल जैसे प्रसंगों की मार्मिक व्याख्या करते हुए बताया कि सच्ची भक्ति और दृढ़ संकल्प जीवन को दिव्यता की ओर ले जाते हैं। प्रवचन के बीच जब संत ने अपने मधुर कंठ से 'म्हारा चारभुजा रा नाथ' और 'सीताराम सीताराम कहिए, जाहि विधि राखे राम रहिए' जैसे भजनों की प्रस्तुति दी तो पूरा पांडाल भक्तिरस में सराबोर हो उठा। श्रद्धालु झूमने लगे और वातावरण जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया। कथा के प्रारंभ और विश्राम के समय मूंदड़ा परिवार के मुखिया बंशीलाल मूंदड़ा, दामोदर मूंदड़ा, संदीप मूंदड़ा, शिवकुमार मूंदड़ा, ओमप्रकाश मूंदड़ा, कमलकुमार मूंदड़ा, अशोक कुमार मूंदड़ा और दिलीप मूंदड़ा ने विधिवत पूजा-अर्चना व आरती की। कथा श्रवण के लिए पूर्व राज्य मंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, राव नरेन्द्र सिंह विजयपुर, पूर्व पालिका अध्यक्ष रमेश नाथ योगी, चित्तौड़गढ़ शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी, विजयपुर प्रशासक श्यामलाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे।कथा स्थल पर गूंजता रहा एक ही संदेशकृ 'नई पीढ़ी को ऊंचा उड़ना जरूर सिखाइए, लेकिन अपनी जड़ों से जुड़े रहना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

तेज-हवा के साथ गिरे ओले, बिछी सफेद चादरः टीनशेड उड़े

पेड़ पौध गिरे गर्मी से मिली राहत

स्मार्ट हलचल | पोटलां

कस्बे में पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से सोमवार दोपहर को पोटलां उपतहसील क्षेत्र में तेज हवा के साथ ओले गिरे है। पोटलां इलाके में ओलों से सफेद चादर जम गई। वहीं कस्बे सहित क्षेत्र में रूककर बारिश भी हुई है। जिसके कारण सोमवार को तापमान में गिरावट दर्ज की गई दरअसल, कुछ दिनों से लगातार पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने से बारिश और बूंदाबांदी हुई। गुजरने के बाद गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू किए। इस सीजन में तापमान 41 डिग्री तक पहुंच गया, इसके कारण लोगों को तपन सताने लगी थी बीते दो दिनों से हवा की वजह से तापमान भी गिरा है। पर सोमवार को बारिश होने की वजह से पारा 31 डिग्री तक आ गया है। वहीं रात के तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर चल रहा है। सोमवार दोपहर अचानक मौसम बदला। तेज हवा के साथ बारिश और ओले गिरने शुरू हो गए। हवा से पेड़ पौधे धाराशाई हो गए वहीं टीनशेड उड़ गए। कई इलाकों में बिजली के पोल भी गिरे है। बारिश के कारण लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है।

नाराज कर्मचारी आज से करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौर के आव्हान पर भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व मे आज से कर्मचारियों की लंबीत मांगों पर सरकार के संवेदनहीन रवेये के विरोध में 5 मई से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा ।

महासंघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अमित व्यास ने बताया की आंदोलन को लेकर महासंघ को विभिन्न कर्मचारी संगठनो का समर्थन प्राप्त है, और कल से सभी कर्मचारी काली पट्टी बांधकर करेंगे काम,

आगे लक्की ब्यावट ने बताया की कर्मचारियों को लंबित मांगों को लेकर विभिन्न कर्मचारी संगठनों की संयुक्त बैठक में कर्मचारियों की वाजिब मांगों पर सरकार के संवेदनहीन रवेये पर रोष व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से प्रदेशव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया गया है, पिछले डेढ़ माह से कर्मचारियों की वेतन से पैसों की कटौती के बाद भी निजी अस्पतालों में आर जी एच एस सुविधा ठप पड़ी है गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कर्मचारियों और पेंशनर इलाज के लिए दर-दर भटक रहे हैं वित्तीय वर्ष बीत जाने के बाद भी समर्पित अवकाश का नगद भुगतान नहीं हुआ इसके विरोध में प्रदेश भर के कर्मचारी 5 मई से काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे साथ ही प्रतिदिन 1 घंटे का सांकेतिक प्रदर्शन का विरोध दर्ज कराएंगे महासंघ ने चेतावनी दी है कि इसके बाद भी सकारात्मक कदम नहीं उठा तो प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन और कार्य बहिष्कार की घोषणा की जाएगी ।

यूआईटी भीलवाड़ा लॉटरी मामले में सूचना आयोग का आदेश, रिकॉर्ड निरीक्षण के निर्देश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

नगर विकास न्यास (यूआईटी) भीलवाड़ा की लॉटरी प्रक्रिया से संबंधित सूचना के मामले में राज-स्थान राज्य सूचना आयोग, जयपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया गया है। यह आदेश द्वितीय अपील संख्या RIC/BHIL/A/2026/004584 में आवेदक राघव कोठारी (भीलवाड़ा) द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के बाद राज्य सूचना आयुक्त महेंद्र कुमार पारख द्वारा दिनांक 29.04.2026 को पारित किया गया।

इस प्रकरण में प्रतिवादी के रूप में राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं सचिव, नगर विकास न्यास (यूआईटी) भीलवाड़ा को पक्षकार बनाया गया था। आवेदक द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत दिनांक 19.10.2025 को लॉटरी प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई थी। आयोग के समक्ष यह तथ्य आया कि संबंधित विभाग द्वारा निर्धारित समय में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई तथा आयोग द्वारा जारी नोटिस का भी कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया।

आयोग ने अपने निर्णय में उल्लेख किया है कि सूचना उपलब्ध कराना संबंधित विभाग की वैधानिक जिम्मेदारी है। साथ ही यह भी कहा गया कि कुछ मांगी गई सूचनाएं व्यापक प्रकृति की थीं, फिर भी उपलब्ध अभिलेखों तक पहुंच देना आवश्यक है।

इसी के तहत आयोग ने निर्देश दिए हैं कि प्रतिवादी विभाग आवेदक को 30 दिनों के भीतर दिनांक 16.10.2025 की लॉटरी प्रक्रिया से संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण करने का अवसर प्रदान करे। इसके लिए पूर्व में दिनांक, समय एवं स्थान की सूचना दी जाएगी। निरीक्षण के पश्चात आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां नियमानुसार उपलब्ध करवाई जाएंगी। यह आदेश सूचना के अधिकार के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे अब संबंधित रिकॉर्ड की जांच संभव हो सकेगी।

फत्ता का खेड़ा में नए विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। निकटवर्ती ग्राम पंचायत खजूरी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय फत्ता का खेड़ा में नवीन शिक्षण सत्र के उपलक्ष्य में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था प्रधान और स्टाफ ने नए बच्चों का माला पहनाकर और तिलक लगाकर अभिनंदन किया।

शिक्षा के प्रति किया जागरूक

संस्था प्रधान श्री बाबूलाल मीणा ने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को निरंतर और नियमित रूप से विद्यालय भेजें। साथ ही, उन्होंने स्थानीय सरकारी विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन बढ़ाने हेतु प्रेरित करते हुए सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में उपस्थिति

इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा, जिनमें मुख्य रूप से अध्यापकः श्री नंदकिशोर सुथार महेन्द्र कुमार राहुल मीणा सीता चन्दोलिया परमा मीणा शिक्षण सत्र के पहले दिन विद्यालय में बच्चों के स्वागत से विद्यार्थियों और अभिभावकों में काफी उत्साह देखने को मिला।

भाजपा की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत पर आतिशबाजी, मिठाइयां बांटी

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक एवं प्रचंड विजय के उपलक्ष सहाड़ा में आतिशबाजी, मुंह मीठा कराया।

पश्चिम बंगाल असम में भाजपा की ऐतिहासिक जीतने के उपलक्ष में सहाड़ा मंडल के कार्यकर्ताओं ने सहाड़ा पंचायत समिति के बाहर जोरदार आतिशबाजी कि वह एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष धन सिंह राठौड़ के साथ दीपक चौधरी, विनोद सोनी, गोपीलाल कुमार, मुकेश जाट, रतनलाल गुर्जर, मोहनलाल शर्मा, मोनू वैष्णव, रतनलाल जाट, भगवती लाल सोनी, जगदीश माली, जगदीश कुमार, मूलचंद शर्मा, मोनू टैलर, राजकुमार बडगूजर, बाबूलाल सेन सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया।

गंगापुर नगर मंडल अध्यक्ष अमित तिवारी के नेतृत्व मे भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने एकत्रित होकर सहाड़ा चोपाटी पर जोरदार आतिशबाजी की तथा मिठाई वितरित कर अपनी खुशी व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने बाजार में दुकानदारों, ग्राहकों एवं नगरवासियों को मिठाई खिलाकर इस जीत का उत्साह साझा किया। पूरे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला, जहां कार्यकर्ताओं ने पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बंगाल, असम व पांडिचेरी में भाजपा की जीत पर आतिशबाजी

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सोमवार को पांच राज्यों के चुनाव परिणाम घोषित हुए, जिसमें पश्चिम बंगाल, असम, पांडिचेरी में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिलने की खुशी में कोटड़ी में मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन के सानिध्य में आतिशबाजी कर एवं मिठाई खिलाकर उत्साह प्रकट किया गया । इस दौरान मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, नंदराय पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश पाराशर, पूर्व प्रधान एवं सरपंच जमनालाल डीडवानिया, पंचायत समिति सदस्य राजकुमार तेली, अनिल तिवाड़ी, कैलाश जाट, महावीर माली, रतनलाल , राजेंद्र सिंह हाड़ा, आजाद शर्मा, जयनारायण आदि कई मौजूद रहे।

दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत, एक की मौत

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र में कबरें मोड़ के पास शनिवार रात दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवपुरी चौकी से लगभग एक किलोमीटर दूर कबरें मोड़ स्थित पुलिया के पास शाम करीब 8 बजे विपरीत दिशा से आ रही दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार बबलू (35) पुत्र छोटेलाल निवासी मटिहा, फतेहपुर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार मोनू (25) पुत्र स्वर्गीय दिनेश, राजा बाबू (38) पुत्र छत्रपाल और गुड़िया देवी (35) पत्नी वीरेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों धाता थाना क्षेत्र के बेलवा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं और शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, जबकि मृतक बाजार से अपने गांव लौट रहा था।

किसान समृद्धि योजनाओं के प्रचार को लेकर गांव गांव पहुंच रहा जागरूकता रथ :विधायक मीना

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर / क्षेत्र के ग्राम बाकरा में राज्य सरकार की ओर से संचालित किसान समृद्धि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जन जागरूकता विकास रथ पहुंचा। रथ के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

यह रथ अभियान जिला स्तर से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना है। इसी क्रम में ग्राम बाकरा सहित आसपास के गांवों में भी यह रथ पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गोपीचंद मीणा मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए इस तरह के जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने किसानों से योजनाओं की जानकारी लेकर उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए भी योजनाओं को सरल भाषा में समझाया गया, जिससे ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर विकास अधिकारी सीताराम मीना, उप प्रशासक सत्यनारायण शर्मा, जीएसएस अध्यक्ष रामकुवार मीना, पूर्व सरपंच राकेश खटीक, ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र मीना, नरेंद्र मीना, अमित जागेटिया, मस्तराम मीणा, आदेश मीना, कांता मीना, शिव कुमार प्रजापत सहित कई जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

तेज हवा के साथ बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार सुबह से मौसम का मिजाज बदला रहा, सुबह से ही आसमान में बादलों की आवा-जाही रही, वही सवाईपुर सहित ढ़ेलाणा, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, सोपुरा जाटों का, सालरिया आदि कई गांवों में सायं 4 बजे बाद मौसम ने अचानक करवट ली और क्षेत्र में तेज अंधड़ और धूल भरी आंधी के साथ बरसात का दौर शुरू हुआ, इसके चलते आमजन, ग्रामीणों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा, क्षेत्र के गांवों में मेघ गर्जन और बिजली की चमक के साथ रिमझिम बारिश का दौर चला, बारिश के होने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली और मौसम खुशनुमा हो गया, दोपहर बाद से ही क्षेत्र में तेज हवाओं का दौरा चला।

बंगाल जीतने पर सांसद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ खाई झालमुरी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम पर भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने संतोष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी समस्त मतदाताओं को धन्यवाद देकर कार्यकर्ताओं के साथ खुशी व्यक्त की सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि आसाम बंगाल व पॉन्डिचेरी की जीत पर सांसद दामोदर अग्रवाल ने आज अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ झालमुरी खाई एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी व आतिशबाजी भी की।

इस अवसर पर प्रेम गर्ग, लादू लाल तेली रूपलाल जाट राकेश पाठक राकेश ओझा, कल्पेश चौधरी, अनिल अग्रवाल, रोशन मेघवंशी, नंद लाल माली, संजय धाकड़, विमल जैन, कैलाश सुवलका, जगदीश डिडवानिया, रामानुज सारस्वत, राकेश कसेरा, देवेंद्र ढाणी, ओम पराशर, गौतम शर्मा, छोटू पूर्बिया, हरीश हिंदुस्तानी, मुकेश शास्त्री, कैलाश सोनी, अर्जुन ब्रह्मभट्ट, अरुण जैन, ललिता समदानी, आरती कोगटा,सुनीता कटारिया सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिलावटी डीजल के अवैध खेल पर प्रशासन का कड़ा प्रहारः 1050 लीटर डीजल जब्त

हाईटेंशन लाइन के नीचे चल रहा था मौत का व्यापार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। खाद्य विभाग और जिला कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद जिला रसद विभाग ने आज सोमवार को मिलावटी डीजल के अवैध कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला रसद अधिकारी (छस्ह) के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने एनएच-8 पर दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध डीजल और उपकरण बरामद किए हैं।

मुख्य कार्रवाई की जानकारी

सूचना के आधार पर रसद विभाग और पुलिस थाना ब्यावर सदर के संयुक्त दल ने ग्राम रानीसागर स्थित जोगणिया होटल के पास छापेमारी की। इस दौरान विभाग ने पाया कि हाईवे के किनारे अवैध रूप से डीजल की खरीद-फरोख्त का खेल चल रहा था।

जब्तीः कुल 1050 लीटर मिलावटी डीजल बरामद किया गया, जो 3 ड्रमों और 9 जरीकेनों में भरकर रखा गया था।

उपकरणः डीजल नापने के लिए विभिन्न माप के कोनिकल (10रु 5रु 1रु), प्लास्टिक पाइप और कीप जब्त किए गए।

आरोपीः मौके से आरिफ काठात (पुत्र श्री नेनु जी, निवासी मसूदा) को चिन्हित किया गया है।

हाईटेंशन लाइन के नीचे 'बारूद' का ढेर

जांच में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि यह अवैध गतिविधि 33केवी की हाईटेंशन विद्युत लाइन के बिल्कुल नीचे संचालित की जा रही थी। ज्वलनशील पदार्थ का इस तरह असुरक्षित भंडारण किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रहा था। आरोपी हाईवे से निकलने वाले वाहनों से 80 प्रति लीटर में डीजल खरीदकर उसे अन्य वाहनों को 85 में बेचकर अवैध मुनाफा कमा रहा था।

यह कृत्य आदेश 2005 और पेट्रोलियम नियमों का गंभीर उल्लंघन है। प्रशासन ने पूरी सामग्री जब्त कर आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस थाना ब्यावर सदर को सौंप दी है।

जांच दल में शामिल अधिकारी

इस सफल कार्रवाई में जिला रसद अधिकारी अब्दुल सादिक, प्रवर्तन अधिकारी सोहन सिंह चौहान, प्रवर्तन निरीक्षक विक्रांत मथुरिया व रामेश्वर डूडी, ब्यावर सदर थानाधिकारी गजराज और एएसआई महेश कुमार मय जाब्ता शामिल रहे।

श्री रामेश्वर महादेव मन्दिर के तृतीय पाटोत्सव पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब, हनुमानजी की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

चित्रकूट नगर के ए-ब्लॉक स्थित श्रीराम पार्क में आज धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का संगम देखने को मिला। अवसर था श्री रामेश्वर महादेव मन्दिर के तृतीय पाटोत्सव और हनुमानजी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का। चित्रकूट नगर वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष तेजप्रकाश शर्मा ने बताया कि इस पावन अवसर पर रविवार सुबह से ही कार्यक्रमों की धूम रही। कॉलोनी वासियों के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में भक्तिमय माहौल के बीच सभी अनुष्ठान विधि-विधान से संपन्न हुए।

महोत्सव का शुभारंभ आज प्रातः 7:30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। विशेष

ड्रेस कोड 'लाल चून्दड़' में सजी महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीतों के साथ क्षेत्र की परिक्रमा की। यात्रा के दौरान विशेष आकर्षण का केंद्र रहा डीजे, जिसकी भक्तिमय धुनों और भजनों पर महिलाएं पूरे रास्ते झूमती और नाचती नजर आईं। 'लाल चून्दड़' के तय ड्रेस कोड में सजी-धजी महिलाओं ने जब सिर पर कलश रखकर नृत्य किया, तो पूरा वातावरण शिव-शक्ति के जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात सुबह 9:00 बजे विद्वान पंडितों के सानिध्य में हवन एवं हनुमत स्थापना का विधान पूर्ण किया गया।

अभिषेक और मनमोहक श्रृंगार

दोपहर के समय भगवान रामेश्वर महादेव का विशेष अभिषेक एवं श्रृंगार किया गया। महादेव और हनुमानजी के अलौकिक दर्शनके लिए मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।कार्यक्रम स्थल पर ही श्रद्धालुओं के लिए सुबह के नाश्ते और महा-प्रसादी की उत्तम व्यवस्था की गई थी।

महा-आरती और भजन संध्या से गूंजा परिसर

शाम होते-होते उत्सव का उत्साह चरम पर पहुंच गया। ध्वजा रोहण - शाम 6:15 बजे मंदिर शिखर पर महादेव एवं हनुमानजी की नई ध्वजा चढ़ाई गई। महा-आरती शाम 7:00 बजे भगवान की महा-आरती का आयोजन हुआ, जिसमें समूचा चित्रकूट नगर भक्ति में सराबोर नजर आया।

इस दौरान कार्यक्रम में राजेश गर्ग,लक्ष्मी नारायण पालीवाल, मनीष चौधरी, अर्जुन सिंह राव, हरि सिंह राव, भारत सिंह राव,भवानी शंकर शर्मा,निरंजन टेलर, हिम्मत माली, सुरेश जांगिड़, सुनील जोशी, अंकित दाधीच, प्रमोद महावार, सुरेश चौधरी, राजेंद्र सिंह राठौर, कमलेश शर्मा, श्रवण सिंह राठौर,जीवन सिंह पंवार, रंगू सिंह पंवार, ताराचंद गवारिया आशीष मिश्रा, रघुनाथ शर्मा, राहुल उड़ानी, उगामनाथ, गणेश गुरनानी,भूपेश सेन,लाख सिंह, विनोद शर्मा,अर्जुन सिंह चौहान, राजेश त्रिवेदी,पंडित जुगल किशोर त्रिवेदी, सुनील शर्मा, बृजराज सुवालका, परमेंद्र सिंह राव सहित पूरी कॉलोनी की महिला पुरुषों एवं बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी भक्तों ने सामूहिक भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र में एकता और सौहार्द का संदेश दिया।

मांडलगढ़ में माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव, गायत्री काबरा बनी अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

नगर माहेश्वरी महिला मंडल मांडलगढ़ के त्रिवर्षीय चुनाव महेश भवन, पुरानी आबादी मांडलगढ़ में आयोजित किए गए। चुनाव प्रक्रिया जिला महिला संगठन मंत्री सुमन पानी तथा इंदिरा विनय झवर के सान्निध्य में, जबकि चुनाव पर्यवेक्षक श्रीमती अल्लाजी पाढ़ा एवं तहसील महिला मंडल अध्यक्ष व सचिव सच्चिदानंद असावा की मौजूदगी में सम्पन्न हुई।

चुनाव में अध्यक्ष पद पर श्रीमती गायत्री काबरा को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सचिव पद पर श्रीमती प्रियंका सोमानी, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती विनिता काष्ट, महासचिव पद पर श्रीमती कृष्णा काबरा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इसी प्रकार संगठन मंत्री के रूप में अभिलाषा गट्टाणी, सांस्कृतिक मंत्री के रूप में आरती गट्टाणी, सहसचिव के रूप में राखी भंडारी, प्रचार-प्रसार मंत्री के रूप में रेखा तुर्किया, संगिका पद पर रुकमान मूंदड़ा को चुना गया। सदस्य के रूप में चंद्रकला भूपाद, ज्योति सोमानी एवं संतोष भंडारी का चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता गट्टाणी ने नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

ग्रीन सेवियर्स की बैठक संपन्नः पर्यावरण संरक्षण और चंदन वृक्षारोपण पर जोर

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

सेवानिवृत्त वन अधिकारियों के समूह 'ग्रीन सेवियर्स' की महत्वपूर्ण बैठक आज अरण्य कुटीर में आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और संगठनात्मक दिशा-निर्देशों पर अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में राहुल भटनागर, इन्द्रपाल सिंह मथार, ओपी शर्मा, लायक अली खान, दलपत सिंह राजपुरोहित, पीएस चुण्डावत, पीएल शर्मा, ओसी मेनारिया, आरके जैन और डॉ. सतीश कुमार शर्मा सहित कई वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समूह में किसी भी प्रकार की राजनीतिक सामग्री साझा नहीं की जाएगी। इसके स्थान पर केवल पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी जानकारी और समाचारों को ही प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि संगठन का उद्देश्य स्पष्ट और प्रभावी बना रहे।

चर्चा के दौरान राज्य में चंदन वृक्षारोपण को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस संबंध में तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वन विभाग को आवश्यक परामर्श देने का निर्णय लिया गया, जिससे इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

इसके अतिरिक्त बैठक में यह भी तय किया गया कि सेवा निवृत्त वन अधिकारियों के संगठन द्वारा विभाग और सरकार को पत्र लिखकर मांग की जाएगी कि उन्हें वन विश्राम गृहों, अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों में निःशुल्क या न्यूनतम शुल्क पर प्रवेश की सुविधा प्रदान की जाए।

बैठक का समापन पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा के ऐतिहासिक बहुमत पर विधायक कार्यलय पर जश्न

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौड़गढ़। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी चुनाव की सोमवार को मतगणना में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। सोमवार को विधायक कार्यालय पर बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बडी एलईडी पर मतगणना का रूझान देखते रहे। मतगणना के दौरान पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में पूर्ण बहुमत की जानकारी मिलते ही कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त हो गया। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने एक दुसरे को बंगाली रसगुल्ला खिलाकर जीत की बधाई दी।

विधायक आक्या ने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास विजन की जीत बताया। उन्होने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत प्रत्येक क्षैत्र में प्रगति कर रहा है। इन प्रदेशो की जनता ने मोदी पर विश्वास जताते हुए भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक रायका, अनिल ईनाणी, एडवोकेट ओम शर्मा, शेलेन्द्र झंवर, नवीन पटवारी, रवि विराणी, गिरीश दिक्षीत, सोहनलाल आंजना, रामप्रसाद बगेरवाल, पिंटु मीणा, विनीत तिवारी, कालु सेन, गोपाल जाजु, कुलदीप शर्मा, महेन्द्र सिंह, रवि बैरागी व हर्षद दशोरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खरताणा में बने विद्यालय भवन का शिक्षा मंत्री ने किया उद्घाटन

भामाशाह परिवार ने स्व. चाँदमल भँवरलाल हिरण की स्मृति में कराया निर्माण; इसी सत्र से शुरू होगी व्यावसायिक शिक्षा व बोर्ड परीक्षा केंद्र

स्मार्ट हलचल|उदयपुर/मावली

मावली पंचायत समिति क्षेत्र के खरताणा गांव में सोमवार को 7 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस शानदार विद्यालय भवन का निर्माण भामाशाह श्रीमती कमला देवी और उनके पुत्रों सुभाष व नरेश ने अपने पति स्व. चाँदमल भँवरलाल हिरण की स्मृति में कराया है। नवनिर्मित भवन का उद्घाटन राज्य के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मोबाइल के कम इस्तेमाल पर जोर:

समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल परीक्षा पास करने के लिए न पढ़ें, बल्कि सही मायनों में ज्ञान अर्जित कर अपना समग्र विकास करें, ताकि वे देश और समाज के लिए उपयोगी बन सकें। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को मोबाइल का न्यूनतम उपयोग करने की भी सलाह दी। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों और विद्यालय प्रशासन से नवनिर्मित भवन के उचित रखरखाव की अपील की।

श्री दिलावर ने शैक्षिक कैलेंडर में बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि निजी विद्यालयों से मिल रही प्रतिस्पर्धा को देखते हुए यह बदलाव किया गया है, ताकि समाज के अंतिम छोर पर बैठा विद्यार्थी भी पीछे न रहे। उन्होंने भीषण गर्मी में 'प्रवेशोत्सव अभियान' के तहत घर-घर सर्वे कर रहे शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की।

कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और अतिथियों का जमावड़ा:

शिक्षा मंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही, खरताणा विद्यालय में इसी शैक्षिक सत्र से व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने और बोर्ड परीक्षा केंद्र खोलने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने अगले वर्ष से विद्यालय में विज्ञान और कृषि संकाय खोलने का भी आश्वासन दिया। इसके अलावा, खरताणा बांध में नमाना बांध से पानी लाने की कार्ययोजना तैयार करने का भी भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर मावली विधायक पुष्कर लाल डांगी सहित कई जनप्रतिनिधि और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित थे। अंत में शिक्षा मंत्री व अन्य अतिथियों ने विद्यालय निर्माण में 7 करोड़ का दान देने वाले भामाशाह परिवार (श्रीमती कमला देवी व उनके पुत्रों) को शॉल, साफा और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका नागरिक अभिनंदन किया। पूर्व प्राचार्य शंकरलाल मीणा का भी सम्मान किया गया।

आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखण्डों के डायरेक्ट अलॉटमेंट का 10वां चरण शुरू

राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों को सौगात, दो औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आवंटन दर को 40 प्रतिशत कम किया

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

जिले में रीको द्वारा विकसित किये गये विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों के लिए भूखंडों के आरक्षित मूल्य पर चार औद्योगिक क्षेत्रों के कुल 117 औद्योगिक भूखंडों का प्रत्यक्ष आंवटन योजना के अंतर्गत दसवें चरण की प्रक्रिया 1 मई से प्रारंभ की गई है। इसमें औद्योगिक क्षेत्र कलडवास (विस्तार), आमली, औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा (भीण्डर) व श्रीराम जानकी औद्योगिक औद्योगिक क्षेत्र, माल की टूस के औद्योगिक भूखण्ड शामिल हैं। इसके अन्तर्गत धरोहर राशि 1 मई प्रातः 10 बजे से 14 मई सायंकाल 6 बजे तक जमा कराई जाएगी एवं किसी भी भूखण्ड पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर ई-लॉटरी 19 मई को की जाएगी।

रीको के अतिरिक्त महाप्रबन्धक अजय पण्ड्या ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र कलड़वास (विस्तार) में 5 औद्योगिक भूखण्ड, औद्योगिक क्षेत्र आमली में 63 औद्योगिक भूखण्ड, औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा (भीण्डर) में 6 औद्योगिक भूखण्ड एवं औद्योगिक क्षेत्र श्रीराम जानकी माल की टूस में 43 औद्योगिक भूखण्ड, को इस प्रत्यक्ष आंवटन योजना के दसवें चरण में रखा गया हैं। इसमें महिला उद्यमियों के लिये 2 भूखण्ड, भूतपूर्व सैनिकों के लिये 1 भूखण्ड, बैचमार्क दिव्यांग जनों के लिये 1 भूखण्ड तथा सशस्त्र बलों के शहीदों के आश्रितों के लिये 1 भूखण्ड का पृथक से आरक्षण का प्रावधान है।

इस प्रत्यक्ष आवंटन योजना के दसवें चरण में शामिल औद्योगिक क्षेत्र श्रीराम जानकी माल की टूस तथा सगतपुरा (भीण्डर) के औद्योगिक भूखंडों पर फ्लेक्सिबल लैण्ड लीज पॉलिसी के अंतर्गत आवंटन दर की 60 प्रतिशत दर पर 33 वर्ष की लीज अवधि के लिये किया जाएगा, जिससे निवेशकों को कम दर पर भूमि उपलब्ध हो सकेगी। सफल आवेदकों को प्रस्ताव पत्र की 25 प्रतिशत राशि जमा कराने के बाद शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान 19 त्रैमासिक किश्तों में मय ब्याज 8.50 प्रतिशत के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान की सुविधा है। साथ ही सफल आवेदकों द्वारा 25 प्रतिशत राशि जमा कराते ही आवंटन पत्र व भूखण्ड का कब्जा भी प्रदान कर दिया जाएगा। इसके अलावा जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा राज्य सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ भी प्राप्त किया जा सकेगा।

भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करते समय प्रारम्भ भूखण्ड का 360 डिग्री फोटो व्यू एवं गुगल लोकेशन भी दिखेगा। अधिक जानकारी के लिए रीको की आधिकारिक वेबसाइट या रिको कार्यालय उदयपुर में सम्पर्क किया जा सकता है।

भाजपा की प्रचंड जीत, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और नीतियों पर जनता के भरोसे की जीत है - सीपी जोशी

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी विधानसभा चुनावों में भारतीय

जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे देश की जनता द्वारा विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व पर भरोसे की जीत बताया है। सांसद सीपी जोशी ने कहा कि यह विजय देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, उनकी दूरदर्शी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों पर देशवासियों का अटूट भरोसा ही इस ऐतिहासिक जीत का आधार बना है।

सांसद सीपी जोशी ने कहा कि माननीय गृह मंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और संगठन की सशक्त कार्यप्रणाली के कारण कई राज्यों में भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों से भय और प्रताड़ना का सामना कर रही जनता ने इस बार साहस के साथ मतदान कर बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है। जनता ने भय को समाप्त कर भरोसे को वोट दिया, जिसके परिणामस्वरूप पहली बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सांसद सीपी जोशी ने असम सहित अन्य राज्यों में भी भाजपा को मिले व्यापक जनसमर्थन को जनता की आकांक्षाओं और भरोसे का प्रतीक बताया। सांसद जोशी ने कहा कि यह परिणाम स्पष्ट संकेत है कि देश की जनता विकास, पारदर्शिता और मजबूत नेतृत्व के साथ आगे बढ़ना चाहती है।

सांसद सीपी जोशी ने इस ऐतिहासिक विजय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व में प्राप्त जन आशीर्वाद के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम, समर्पण और मजबूत समर्थन के कारण ही यह अभूतपूर्व सफलता संभव हो सकी है। सांसद सीपी जोशी ने भरोसा जताया कि भाजपा सरकारें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेंगी।

उदयपुर संभाग में जल परियोजना के लिए तीन बजट में 900 करोड़ स्वीकृत-जल संसाधन मंत्री

जाखम-जयसमंद-बड़गांव-मातृकुण्डिया परियोजना की डीपीआर तैयार, जल संसाधन मंत्री का उदयपुर दौरा, पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री सुरेशसिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेश भर में कई बड़ी जल परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। सरकार ने अपने तीन बजट में उदयपुर संभाग में कुल 900 करोड़ रूपए से अधिक की जल परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनका कार्य प्रगति पर है।

केबिनेट मंत्री श्री रावत सोमवार को अपने उदयपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। श्री रावत ने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि हर व्यक्ति को पेयजल और हर खेत को सिंचाई जल उपलब्ध हो। इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के बजट में उदयपुर संभाग में चल रही जल परियोजनाओं के लिए 275 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं पिछले तीन बजट में कुल 900 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। उदयपुर की बहुप्रतीक्षित देवास तृतीय एवं चतुर्थ चरण का कार्य प्रगति पर है। विभागीय अधिकारियों को उक्त प्रोजेक्ट दिसम्बर 2027 तक हर हाल में पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया

है। इसी प्रकार तकरीबन 200 करोड़ की लागत से बागोलिया फीडर का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इससे मावली क्षेत्र में पेयजल के साथ-साथ 3700 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। राजसमंद जिले में 131 करोड़ की लागत से खारी फीडर का कार्य भी प्रगति पर है। उन्होंने प्रदेश के अन्य हिस्सों में चल रही जल परियोजनाओं पर भी चर्चा करते हुए कहा कि रामजल सेतु परियोजना का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर प्रदेश के आधे जिलों में पेयजल और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा।

केंद्रीय जल आयोग को भेजी डीपीआर

मंत्री श्री रावत ने बताया कि दक्षिण राजस्थान की अति महत्वाकांक्षी जाखम-जयसमंद-बड़गांव-मातृकुण्डिया जल परियोजना के लिए राज्य सरकार की ओर से डीपीआर तैयार करा ली गई है। करीब 10 हजार करोड़ की इस परियोजना की मंजूरी के लिए केंद्रीय जल आयोग में भेजा गया है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद इस परियोजना को मूर्त रूप देने पर कार्य किया जाएगा। श्री रावत ने बताया कि यह परियोजना पूर्ण होने पर दक्षिण राजस्थान में पेयजल और सिंचाई की समस्या का काफी हद तक समाधान हो पाएगा। वहीं जल स्त्रोतों के अधिशेष पानी का भी सदुपयोग हो सकेगा। प्रेसवार्ता के दौरान उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, समाजसेवी गजपालसिंह, पुष्कर डांगी सहित विभागीय अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

5 किलो 140 ग्राम अवैध अफीम जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत शंभूपुरा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही करते हुए 5 किलो 140 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त।

जिला पुलिस कप्तान मनीष त्रिपाठी ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज, उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के भंडारण एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी विनोद कुमार के पर्यवेक्षण मे थानाधिकारी शंभुपुरा धर्मराज मीना द्वारा मय टीम कानि नरेश कुमार, रामकिशन, मुकेश कुमार, योगेन्द्र कुमार, महेन्द्र नैण दौराने नाकाबंदी थाना सर्कल में एक मोटर साइकिल से 5 किलो 140 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई व 2 आरोपी खेम राज पिता मेघराज भील उम्र 41 साल निवासी राजपुरिया थाना नीमच एमपी व पप्पू सेन पिता नाथू लाल सेन निवासी जावी थाना नीमच को गिरफ्तार किया गया। तथा तस्करी में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल को जब्त किया गया। प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

विकास कार्यों में समन्वय बनाएं विभाग, सफाई के लिए मिशन मोड पर हो कामः जिला कलक्टर

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव की अध्यक्षता में सोमवार को आवश्यक सेवाओं से जुड़ी साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में पेयजल, विद्युत आपूर्ति और चिकित्सा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई और अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास कार्यों और आमजन की सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि बूंदी शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों में सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य योजना बनाकर काम करें। इससे निर्माण कार्य तय समय सीमा और गुणवत्ता के साथ पूरे हो सकेंगे। इससे विकास कार्यों में अनावश्यक रुकावट नहीं आएगी और शहरवासियों को समय पर सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

बैठक में जिला कलक्टर ने उपवन संरक्षक को निर्देश दिए कि जिले के वन क्षेत्रों में पनप रही जूली फ्लोरा को कार्ययोजना बनाकर व्यवस्थित रूप से हटाया जाएं। इसकी जगह स्थानीय किस्म के पेड़-पौधे लगाकर वन क्षेत्र को हरा-भरा किया जाएं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला कलक्टर ने नवल सागर में निर्माणाधीन लाइट एंड साउंड शो का काम जल्द से जल्द पूरा कर आमजन के लिए शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

शहर की सफाई व्यवस्था के संबंध में जिला कलक्टर ने नगर परिषद आयुक्त को मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद टीम गठित कर शहर के विभिन्न ब्लॉकों में अधिकारियों को भी सफाई की जिम्मेदारी सौंपे। साथ ही, सड़कों से निराश्रित पशुओं को तत्काल हटाया जाएं। गर्मी और लू के मद्देनजर जिला कलक्टर ने सभी चिकित्सा संस्थानों में मरीजों के लिए छाया, पेयजल और कूलर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। अस्पतालों में ओआरएस और अन्य आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी के सैंपल लेकर जांच कराने और बाजारों में बिकने वाली आइसक्रीम की भी सैंपलिंग करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त वाहन लगाकर कराएं गेहूं का उठाव

समर्थन मूल्य पर चल रही गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि खरीदी गई जिंस का उठाव जल्द से जल्द हो। इसके लिए जिला रसद अधिकारी और परिवहन अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करें। बैठक में बारदाने की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई और व्यवस्थाओं को सुचारू रखने पर जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, उप वन संरक्षक (आरवीटीआर) अरूण कुमार डी., मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

लायंस क्लब भवानी मंडी रॉयल ने प्रांतीय अधिवेशन में भाग लिया

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। कोटा में होटल पाम पेसिफिक में लायंस क्लब का प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ । लायंस क्लब भवानी मंडी के सचिव नरेंद्र जैन ने बताया कि 2 एवं 3 मई को झालावाड़ रोड स्थित होटल में लायंस क्लब के प्रांतीय अधिवेशन में विभिन्न कार्यक्रम क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष लायन रामकिशोर जी गर्ग की अध्यक्षता एवं इंटरनेशन डायरेक्टर लाइन जितेंद्र सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ जिसमें प्रांत के 150 क्लबों के करीब 1200 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें भवानी मंडी क्लब से लायन के के राठी ,लायन कालू लाल सालेचा ,लायन नरेंद्र जैन,लायन डॉ सौभाग सिंह ने भाग लिया आगामी प्रांत पाल के लिए मतदान किया जिसमें प्रत्याशी कविता मिंडा एवं जितेंद्र मित्तल थे इनमें से जितने वाले आगामी 2028-29 के प्रांतपाल होंगे।

रेलगाड़ियों में भीख माँगने वाली 12 महिलाएँ गिरफ्तार, रेलवे सुरक्षा बल ने चलाया अभियान

भरतपुर में आरपीएफ टीम की कार्रवाई, रेल अधिनियम के तहत मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल| कोटा

यात्रियों को परेशानी से मुक्त एवं सुरक्षित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा भरतपुर क्षेत्र में सवारी गाड़ियों में भिक्षावृत्ति करने वाली महिलाओं के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 12 महिलाओं को गिरफ्तार कर भरतपुर पोस्ट लाया गया तथा रेल अधिनियम के तहत उनके विरुद्ध विधिवत कार्रवाई की गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि यह अभियान सहायक सुरक्षा आयुक्त द्वितीय के निर्देशन में निरीक्षक प्रदीप कुमार तिवारी के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान

दल में सहायक उप निरीक्षक शीतल सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक दिनेश सिंह डागर, प्रधान आरक्षक विनोद सिंह, प्रधान आरक्षक योगेश कुमार तथा महिला आरक्षक उगन्ती मीणा सम्मिलित थीं।

टीम द्वारा सवारी गाड़ियों में भ्रमण कर भिक्षावृत्ति में संलिप्त महिलाओं को चिह्नित किया गया एवं 12 महिलाओं को गिरफ्तार कर भरतपुर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पर लाया गया। सभी के विरुद्ध रेल अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की गई। रेलवे सुरक्षा बल का यह अभियान यात्रियों को रेलगाड़ियों में सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं उत्पीड़न-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सतत प्रयास है। यात्रियों से अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को दें।

आंगन में सो रही महिला पर कुल्हाड़ी से हमला कर, हमलावर ले गए मंगलसूत्र

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले के तालेड़ा थाना क्षेत्र के बरुधन कस्बे में बीती रात एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। घर के बाहर चारपाई पर सो रही एक महिला पर बदमाशों ने कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर मंगलसूत्र लूट लिया। घायल महिला को लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। तालेड़ा थाना प्रभारी देशराज ने बताया कि घटना देर रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। बरुधन कस्बे में अपने घर के बाहर चारपाई पर सो रही महिला पर अचानक अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने कुल्हाड़ी से महिला के गले के पास वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

हमले के दौरान महिला की चीख पुकार सुनकर पास ही सो रहे उसके पति रामावतार मेघवाल की नींद खुल गई। जब उन्होंने अपनी पत्नी को देखा तो वह खून से लथपथ हालत में पड़ी थी। उसे तुरंत उपचार के लिए तालेड़ा अस्पताल ले जाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही तालेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। कार्यवाहक थाना प्रभारी देशराज ने बताया कि महिला के पति रामावतार मेघवाल ने थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें अज्ञात हमलावरों द्वारा कुल्हाड़ी से वार करने का आरोप लगाया गया।

रिपोर्ट में बताया गया कि वह और उसकी पत्नी घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। तभी रात के अंधेरे में अज्ञात हमलावरों ने उसकी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हालांकि सुबह होने पर मामले में लूट का पहलू सामने आया। महिला के पति ने आज सुबह पुलिस को उसकी पत्नी के गले से सोने का मंगलसूत्र लूटे जाने का भी आरोप लगाया। पीड़ित के पति रामावतार मेघवाल ने बताया कि लूट की नीयत से ही देर रात बदमाशों ने उसकी पत्नी को निशाना बनाया।

अधिशाषी अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

इंद्रगढ़ नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी ब्रजभूषण शर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नानकराम मीना के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र सिंह चौधरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि कस्बे की नगरपालिका में अगस्त 2025 से अब तक जितने भी स्टोर व निर्माण के टेंडर जारी हुए हैं, वह सब सरकारी दर पर जारी किए गए, जबकि इससे पूर्व नगरपालिका में कार्यादेश सरकारी दर से 30% कम पर जारी किए गए थे, जिससे प्रतीत हो रहा है, कि पिछले 6 माह में ही अधिकारी ने सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपए का नुक़सान किया। जिसमें तत्कालीन नगरपालिका अध्यक्ष एवं कनिष्ठ अभियंता की मिलीभगत भी रही है। नगरपालिका में स्टोर शाखा में भी लाखों का गबन किया है, क्योंकि लाखों रुपए के सामानों के कोटेशन एवं बिल बनाकर भुगतान कर दिए गए। जबकि खरीदें गए सामानों का लेखा जोखा ना तो स्टोर में है, ना मूल रूप से मौजूद हैं। नगरपालिका पार्षदों एवं आमजन ने अधिशाषी अधिकारी पर आरोप लगाते हुए बताया कि इनके पास जब से कार्यभार आया है, तब से कस्बे में अतिक्रमणकारियों की बाढ़ आ गई, जगह जगह अतिक्रमण हो रहें हैं। अपने चहेते को टेंडर दिए गए, जो भ्रष्टाचार कर रहे हैं। पालिका पूर्व पार्षदों ने उपखंड अधिकारी से भ्रष्टाचार एवं गबन की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नानकराम मीना, इंदरगढ़ नगर अध्यक्ष कांग्रेस राजू मेव ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बाबूलाल बैरवा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अजय शर्मा, लाखेरी नगर अध्यक्ष कांग्रेस चौथमल बैरवा, पुरूषोत्तम बैरवा, शम्भू सोनी, प्रदीप सिंह हाड़ा, नरेंद्र जैन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऐतिहासिक इमारतों को बदरंग करने पर होगी कार्यवाही

स्मार्ट हलचल|बूंदी

प्राचीन, ऐतिहासिक और धार्मिक विरासतों के लिए विख्यात 'छोटी काशी' यानी बूंदी शहर की धरोहरों को बदरंग करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। शहर की ऐतिहासिक इमारतों, कुंडों, बावड़ियों और अन्य दर्शनीय स्थलों पर पोस्टर चिपकाकर प्रचार करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया हैं।

जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं। गौरतलब है कि प्रशासन के संज्ञान में लगातार यह बात आ रही थी कि कुछ लोग और संस्थाएं अपने निजी फायदे व प्रचार-प्रसार के लिए शहर की बेशकीमती ऐतिहासिक इमारतों का दुरुपयोग कर रहे हैं। इन विरासतों की दीवारों पर धड़ल्ले से विज्ञापन और पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं, जिससे इनका मूल स्वरूप और ऐतिहासिक सौंदर्य नष्ट हो रहा है।

अधिनियम 2006 के तहत होगी कार्यवाही

धरोहरों के इस तरह हो रहे नुकसान को लेकर जिला कलक्टर ने नगर परिषद आयुक्त को निर्देश दिए हैं। अब यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था ऐतिहासिक इमारतों पर पोस्टर लगाता हुआ या उन्हें किसी भी रूप में विरूपित करता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ 'राजस्थान संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 2006' के तहत तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाएगी।

दर्ज होगी नामजद रिपोर्ट

प्रशासनिक निर्देशों के बाद नगर परिषद ऐसे लोगों और संस्थाओं को चिन्हित कर रही है जो इन इमारतों का दुरुपयोग कर रहे हैं। नियम तोड़ने वालों से न केवल भारी जुर्माना वसूला जाएगा, बल्कि संबंधित थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) भी दर्ज कराई जाएगी।

मदिरा दुकानों के 45 कलस्टर के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आज

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देषानुसार आबकारी एवं मद्य संयम नीति वर्ष 2025-29 में संषोधन के प्रावधान के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए नवीनीकरण से शेष रही पड़त मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिए विभागीय वेबसाईट ीजजचेध्ध्पमउेण्तरंेजींदण्हवअण्पद पर नीलामी मंगलवार 5 मई 2026 को प्रातः 11 से सांय 4 बजे तक ई-बोली आमंत्रित की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेष में शेष 45 कलस्टर पर 94 दुकानों का बंदोबस्त किया जाना है।

आबकारी आयुक्त के अनुसार ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाईट से अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्षन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने के बाद ऑनलाईन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल ीजजचेध्ध्ैेवण्तरंेजींदण्हवअण्पद पर सिटीजन केटेगरी के अन्तर्गत एसएसओ आईडी बनाना जरूरी है। उक्त नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम 5 घंटे की होगी एवं उसके पष्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार तक जारी रहेगी। बोलीदाता को कम से कम 10 हजार रूपए अथवा 10 हजार के गुणांक में बढाकर बोली लगानी होगी। बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राईस पिछली बोली से 10 प्रतिषत से अधिक राषि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।

कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, संषोधित न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राषि का विवरण विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगा। ऑनलाईन नीलामी में एसएसओ आईडी के माध्यम से भाग लेने के इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राषि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक ीजजचेध्ध्पमउेण्तरंेजींदण्हवअण्पद पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिए। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या तकनीका कारणों से राषियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिए आवेदक स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। प्रत्येक कलस्टर के लिए ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने के लिए निर्धारित न्यूनतम रिजर्व प्राईस की 2 प्रतिषत राषि अमानत राषि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राषि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राषि अथवा डायनेमिक एरनेस्ट मनी भी जमा करानी होगी।

श्रेष्ठ स्तम्भकार के रूप में सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार भवँर सिंह कछवाहा

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। रविवार को भवानी मंडी के वरिष्ठ पत्रकार बालाजी टाइम्स के सम्पादक व जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान(जार) के प्रदेश संगठन महामंत्री भवँर सिंह कछवाहा को उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में 'विश्व संवाद केंद्र उदयपुर' द्वारा आद्य संवाददाता देवर्षि नारद जयंती पत्रकार सम्मान 2026 कार्यक्रम में 'श्रेष्ठ स्तम्भकार' के रूप में चयन कर प्रांत स्तर पर सम्मानित किया। यह सम्मान सत्य,समाजहित एवं उत्तरदायी पत्रकारिता को समर्पित है। कुल पांच श्रेणी में से प्रत्येक श्रेणी में एक उत्कृष्ट चयनित पत्रकार को ही इसके अंतर्गत

सम्मानित किया गया है। भवँर सिंह कछवाहा को उनके लिखे हुए स्तम्भ के आधार पर श्रेष्ठ स्तम्भकार के लिए चयन किया गया। मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी उदयपुर के बप्पा रावल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता हर्षवर्धन त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार रहे। साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश अग्रवाल रहे। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख महावीर प्रसाद कुमावत विशिष्ट अतिथि थे। साथ ही विश्व संवाद केंद्र के डॉक्टर भानुप्रिय रोहिला,विश्व संवाद केंद्र केडॉक्टर गणेश कलाल आदि मंचासीन थे। वहीं कार्यक्रम की प्रस्तावना विश्व संवाद केंद्र उदयपुर के सचिव प्रवीण कोटिया ने रखी। इस आयोजन में कछवाहा को ओपरना ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह देकर व पुरस्कार राशी 21 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। यह जानकारी जार राजस्थान के प्रदेश सचिव अशोक श्रीश्री माल ने दी। इसकी जानकारी मिलते ही उनके चाहने वालों ने बधाइयां दी।

रामेष्ट युवा मंडल के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला युवा अधिकारी का किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

रामेष्ट युवा मंडल संस्थान की ओर से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत केंद्र, बूंदी में नव नियुक्त जिला युवा अधिकारी अशोक कुमार मेघवाल के पदभार ग्रहण करने पर स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा उन्हें पारंपरिक साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मंडल द्वारा गत वर्षों में किए गए विभिन्न सामाजिक एवं युवा विकास कार्यों–विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को संगठित करने, जागरूकता अभियान चलाने, स्वच्छता, शिक्षा एवं समाज सेवा से जुड़े प्रयासों–की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिला युवा अधिकारी मेघवाल ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना अत्यंत आवश्यक है, उन्होंने आश्वस्त किया कि वे जिले के अधिकाधिक युवाओं, विशेषकर ग्रामीण अंचल के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

इस अवसर पर केंद्र का लगभग एक वर्ष तक अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले उपनिदेशक श्री सचिन पाटोदिया को भावभीनी विदाई दी गई। उनके कार्यकाल में केंद्र के माध्यम से अनेक नवाचारपूर्ण एवं प्रभावी कार्यक्रमों का सफल संचालन किया गया, जिससे युवाओं में जागरूकता, सहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूती मिली। मंडल द्वारा उन्हें भी साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।इस दौरान शिखर पंचोली, रोहन गुर्जर, विवेक गुर्जर, दीपेश सैनी, सोनू कुमार सैनी, धैर्य सिंह सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नए नेतृत्व के मार्गदर्शन में युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं समाजहित के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

हेल्थ मेसेंजर्स ने दिल्ली में सांझा किए विद्यालयों में किये कार्यों के अनुभव

स्कूल हैल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

स्कूल हैल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत उदयपुर जिले के ऋषभदेव,गिर्वा तथा मावली ब्लॉक 10-10 विद्यालयों में संचालित पियर पायलटिंग प्रोग्राम की 'सीखों' को लेकर दिल्ली में आज आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में हेल्थ मेसेंजर्स ने विद्यालयों में किये कार्यों के अनुभव सांझा किए।

आरएससीईआरटी उदयपुर के निर्देशन में डाइट उदयपुर द्वारा जिले में संचालित इस कार्यक्रम को लेकर तीन ब्लॉक की चयनित 30 स्कूलों में सहयोगी संस्था यूएनएफपीए द्वारा पियर पायलटिंग प्रोग्राम संचालित किया गया था।इस कार्यक्रम के निष्कर्षों पर मंथन करने के लिए दिल्ली में आज एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें आरएससीईआरटी से कार्यक्रम की स्टेट कॉर्डिनेटर डॉ आभा शर्मा,सीकों डिकॉन संस्था प्रतिनिधि ललिता आमेटा , प्रिंसिपल जगदीश चौबीसा, एसआरजी खुशवेंद्र सिंह अधिकारी, तोषी सुखवाल हैल्थ एम्बेसडर सुरेश टांक तथा नेहा पारीक के साथ ही मावली ब्लॉक के सिंदु तथा फलीचड़ा विद्यालयों के हेल्थ मैसेंजर(विद्यार्थी) क्रमशः दीपेन्द्र सिंह झाला व साक्षी कुंवर चौहान ने भाग लिया। दल में शामिल विद्यार्थियों ने भी उदयपुर से दिल्ली तक यात्रा हवाई मार्ग से तय की। कार्यशाला में राजस्थान के अलावा बिहार राज्य के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

22,410 लीटर वॉश नष्ट, 73 केस दर्ज और 12 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक दलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के दौरान नाकाबंदी, गश्त और दबिश की प्रभावी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों में हजारों लीटर अवैध वॉश नष्ट किया गया और कई अभियोग दर्ज किए गए।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जा रही है। टीमों ने अन्य राज्यों से शराब की तस्करी और अवैध परिवहन पर भी प्रभावी कार्रवाई की है।

अभियान के तहत 3 मई 2026 तक हुई कार्रवाई का ब्यौराः

अभियोगः कुल 73 अभियोग दर्ज किए गए।

गिरफ्तारीः 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। नष्ट किया गया वॉशः 22,410 लीटर वॉश (कच्ची शराब बनाने का मिश्रण) नष्ट किया गया।

जब्तीः 108.58 लीटर देसी मदिरा, 355.98 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 98.15 लीटर बीयर, और 370 लीटर अवैध हथकढ़ शराब जब्त की गई।

वाहन जब्तीः एक चारपहिया और एक दुपहिया वाहन जब्त किया गया।

प्रमुख जिलों में की गई कार्रवाईः

जालोरः बड़गांव से बापला रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान एक मारुति कार से अन्य राज्य में बिक्री योग्य अवैध मदिरा के 24 कार्टन और देसी मदिरा के 14 कार्टन सहित कुल 38 कार्टन जब्त किए गए।

हनुमानगढ़ः मक्कासर और अमरपुरा क्षेत्रों में दबिश देकर 2400 लीटर वॉश और 6 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई, जिसके संबंध में 2 अभियोग दर्ज हुए।

भीलवाड़ा और अलवरः भीलवाड़ा में 2 अभियोग और अलवर जिले के रामगढ़ तथा राजगढ़ थाना क्षेत्रों में ईपीएफ दल ने करीब 2000 लीटर वॉश और 2 भट्टियां नष्ट कर 2 अभियोग दर्ज किए।

श्रीगंगानगरः श्रीकरणपुर क्षेत्र में 400 लीटर वॉश और 2 पुरानी भट्टियां नष्ट की गई। इसके अलावा पड़त मदिरा क्षेत्रों में भी कार्रवाई कर अवैध शराब के पव्वे जब्त किए गए।

बांसवाड़ा एवं कुशलगढ़ः इन क्षेत्रों में 3 हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया और शराब भट्टी के उपकरणों सहित 55 बोतल हथकढ़ शराब बरामद की गई, जिसके संबंध में 5 अभियोग दर्ज किए गए।

पाली और मेड़ता सिटीः पाली में 1000 लीटर वॉश, 3 पुरानी भट्टियां नष्ट की गई और 52 लीटर अवैध हथकढ़ शराब जब्त हुई। मेड़ता सिटी में 500 लीटर वॉश नष्ट कर 12 लीटर अवैध शराब जब्त की गई।

आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक और निरोधक दल द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में अवैध मदिरा के खिलाफ सघन गश्त और दबिश जारी है।

ऐतिहासिक जीत के जश्न से जगमगा उठा चांगगेट

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों में दर्ज की गई ऐतिहासिक सफलता का उत्साह आज ब्यावर की सड़कों पर साफ दिखाई दिया। शाम को चांगगेट स्थित कुमारानंद सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य आतिशबाजी और मिठाई वितरण कर विजयोत्सव मनाया।

विधायक और सभापति के नेतृत्व में हुआ आयोजन

यह कार्यक्रम ब्यावर के लोकप्रिय विधायक श्री शंकर सिंह रावत एवं निवर्तमान सभापति के सानिध्य में आयोजित हुआ। जैसे ही आतिशबाजी शुरू हुई, पूरा चांगगेट परिसर रोशनी से सराबोर हो गया।

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर जीत की बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री शंकर सिंह रावत ने कहाः 'यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर जनता की मुहर है। असम का विकास मॉडल और ब्यावर के जमीनी कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत ने इस जीत को मुमकिन बनाया है। 'वहीं, निवर्तमान सभापति नरेश कनोजिया ने अपने संबोधन में कहा कि बंगाल की जनता ने हिंसा, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को सिरे से नकारते हुए सुशासन और लोकतंत्र को चुना है।

विजयोत्सव के दौरान शहर के कई गणमान्य जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप सेः उपसभापति रिखब चंद खटोड़, जय किशन बलदुआ, मंगत सिंह मोनू। मुरली तिलोकनी, ईश्वर तंवर, वेदराज भाटी, हंसराज शर्मा संजय घिया, इंदु शर्मा, रविंद्र जॉय, अभिषेक नाहटा, सुनील सिंहल, गौरव, राम सिंह रामु, अशोक भाटी, नवीन नायक, नौरत सोलंकी, राजकुमार रावत और करण सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। आतिशबाजी और नारों के बीच मनाया गया यह जश्न देर शाम तक जारी रहा, जिसने ब्यावर भाजपा के कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है।

माताजी का दर्रा में 8 मई को टेंडर जारी होंगेः 17 मई से 21 कुण्डात्मक आयोजन, 25 मई को महायज्ञ की पूर्णाहूति

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। ईरानी डूंगरी स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल 'माताजी का दर्रा' पर आगामी 25 मई को विशाल महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियाँ तेज हो गई हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने के लिए मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें विभिन्न कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया। 17 मई से 21 कुण्डात्मक आयोजन भी शुरू होंगे।

बैठक में मंदिर समिति और स्थानीय ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आयोजन की भव्यता को देखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए पारदर्शिता के साथ टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाएगी। टेंडर 8 मई को सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक जारी किए जाएंगे। इनमें टेंट एवं शामियाना व्यवस्था, हलवाई (भोजन एवं प्रसाद), लाइट डेकोरेशन एवं विद्युत सज्जा, डीजे एवं साउंड सिस्टम तथा वेटर एवं सर्विस टीम के कार्य शामिल हैं।

यह 21 कुण्डात्मक आयोजन 17 मई से शुरू होकर 25 मई तक चलेगा, जिसकी पूर्णाहूति विशाल महायज्ञ के साथ होगी। समिति के सदस्यों ने बताया कि 25 मई के इस धार्मिक अनुष्ठान में हजारों की संख्या में भक्तों के जुटने की संभावना है। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, पार्किंग और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। समिति के प्रवक्ता ने बताया कि माताजी की कृपा से यह आयोजन ऐतिहासिक होगा और सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तरीय हों, इसके लिए 8 मई को अनुभवी ठेकेदारों को आमंत्रित किया गया है ताकि समय रहते सभी तैयारियां पूरी की जा सकें।

इच्छुक निविदाकर्ता (ठेकेदार) 8 मई को निर्धारित समय पर माताजी का दर्रा गेरूठी, ईरानी डूंगरी पहुंचकर अपनी दरें प्रस्तुत कर सकते हैं।

भीषण गर्मी में 'राहत की ठंडी फुहार' : राजस्थान पुलिस जवानों को वितरित होंगे 5 लाख ओआरएस पैकेट्स

स्मार्ट हलचल | जयपुर

प्रदेश में तपती धूप और लू के तीखे थपेड़ों के बीच राजस्थान पुलिस ने अपने जवानों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए एक मानवीय और सराहनीय पहल शुरू की है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर राज्यभर के कांस्टेबलों को 5 लाख ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) पैकेट्स वितरित किए जाएंगे, जिससे ड्यूटी के दौरान डिहाइड्रेशन और लू के प्रभाव से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस जनहितकारी अभियान में रोटरी क्लब मुंबई से जुड़े प्रवासी राजस्थानी झुंझुनूं मूल के आशीष पोद्दार का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है, जिनकी संवेदनशीलता से पुलिस जवानों को यह सौगात दी जा रही है।

पूरे अभियान की कमान डीआईजी प्रशिक्षण शरद चौधरी के नेतृत्व में संभाली गई है। उनके मार्गदर्शन में यह राहत सामग्री राज्य के 12 पुलिस ट्रेनिंग सेंटरों तथा राजस्थान से बाहर संचालित 4 प्रशिक्षण केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही रेंज आईजी के माध्यम से हर कांस्टेबल तक इसकी प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

योजना के तहत प्रत्येक जवान को 10-10 ओआरएस पैकेट्स दिए जाएंगे, ताकि भीषण गर्मी में लंबी ड्यूटी के दौरान वे खुद को हाइड्रेट और सुरक्षित रख सकें। विशेष रूप से यातायात, कानून-व्यवस्था, गश्त और सार्वजनिक ड्यूटी में तैनात जवानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

अभियान की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार को पहली खेप के रूप में 90 हजार ओआरएस से भरे पैकेट्स का ट्रक राजस्थान पुलिस अकादमी में पहुंचा। इनमें से पैकेट्स को उतारते हुए प्रशिक्षण केन्द्रों तक पहुंचाया जा रहा है। इन पैकेट्स के वितरण की तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। मंगलवार को दूसरी खेप में भी 90 हजार पैकेट्स आने की संभावना है, जबकि अगले 5 से 7 दिनों में अतिरिक्त सप्लाई भी प्राप्त होगी। डीआईजी चौधरी ने बताया कि जब प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, ऐसे में पुलिस मुख्यालय की यह पहल न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कदम है, बल्कि ड्यूटी पर डटे जवानों के लिए सचमुच 'राहत की ठंडी फुहार' बनकर सामने आई है।

ब्यावर शहर की जनसमस्याओं को लेकर हिन्दू हेल्पलाइन ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | ब्यावर

शहर में बढ़ती जनसमस्याओं को लेकर सामाजिक संगठन हिन्दू हेल्पलाइन के प्रान्त अध्यक्ष मुकेश सोनी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में मुख्य रूप से आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या, खराब पड़े हैंडपम्पों की मरम्मत तथा सुभाष उद्यान में साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग उठाई गई।ज्ञापन में बताया गया कि शहर में आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे आमजन, विशेषकर बुजुर्ग, गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। कई स्थानों पर पशुओं के आपसी संघर्ष से राहगीर भी चोटिल हो रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए शहर में विशेष अभियान चलाकर आवारा पशुओं पर नियंत्रण करने की आवश्यकता जताई गई।इसके साथ ही संगठन के नगर महामंत्री मनीष व्यास ने भीषण गर्मी के चलते शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खराब पड़े हैंडपम्पों की समस्या को भी गंभीर बताया गया। जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में ये हैंडपम्प आमजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन वर्तमान में कई हैंडपम्प खराब या बंद पड़े हैं। संगठन ने प्रशासन से शीघ्र मरम्मत कर जल व्यवस्था सुचारू करने की मांग की है।वहीं, शहर के प्रमुख सुभाष उद्यान में साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के अभाव पर भी चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में नगर उपाध्यक्ष विक्रम रल ने कहा कि उद्यान में असामाजिक तत्वों एवं नशेड़ियों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा है, जिससे वहां आने वाले महिला, पुरुष एवं बच्चों को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने उद्यान में नियमित साफ-सफाई, अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति तथा पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे आमजन को राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में नगर विधिक सलाहकार एडवोकेट सुनील दुबे, नगर संगठन महामंत्री मनीष व्यास, नगर कोषाध्यक्ष सुनील जैन, नगर उपाध्यक्ष विक्रम रल, मंत्री सत्यनारायण बालोदिया, राजू गुर्जर, गोपाल गहलोत, टीकम दास छाबड़ा, उमेद चौहान, सुधीर प्रताप, दीपक अटवाल, नवीन कुमार, रामदेव सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल और असम चुनाव परिणाम पर मनाई खुशी

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिलने पर सोमवार को उपखंड कार्यालय परिसर में विधायक देवीसिंह शेखावत के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी जताई। इस दौरान विधायक शेखावत ने कहा कि यह जीत देश की जनता के विश्वास, विकास की राजनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, मुकेश गोठवाल, जलेसिंह मीणा, वैद्य भवानी शंकर, धुडाराम यादव, पप्पी चौधरी, सुभाष गंगावत, महेंद्र योगी, अशोक शेखावत, मनोहर नायक, रामनिवास जाट, नत्थू राम प्रजापत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांदीकुई के 5 हजार उपभोक्ताओं को मिलेंगी बिजली संकट से राहत

अतिरिक्त फीडर का कार्य तीन दिन में होगा पूरा, विधायक ने किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

बांदीकुई। शहर के फर्स्ट फीडर के करीब 5 हजार उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में बार-बार बिजली ट्रिपिंग की समस्या से जल्द ही निजात मिलने वाली है। बिजली निगम ने इस फीडर को दो भागों में बांटने के लिए एक अतिरिक्त फीडर का निर्माण किया है। विधायक भागचंद टांकड़ा ने सोमवार को बिजली निगम के इस कार्य का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शहर में बिजली आपूर्ति के लिए तीन फीडर बने हुए हैं, जिनमें फर्स्ट फीडर सबसे बड़ा है। इस फीडर में लगभग 5 हजार उपभोक्ता होने के कारण गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी इसी फीडर के उपभोक्ताओं को होती है। गर्मी बढ़ने पर बिजली की खपत अधिक होने से इस फीडर का लोड 250 एंपियर तक पहुंच जाता है, जिससे बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है।

इस परेशानी को दूर करने के लिए बिजली निगम ने एक अतिरिक्त फीडर का निर्माण किया है। इस नए फीडर में फर्स्ट फीडर के लगभग ढाई हजार उपभोक्ताओं को जोड़ा जाएगा, जिससे मूल फर्स्ट फीडर का लोड कम हो जाएगा और ट्रिपिंग की समस्या में कमी आएगी।

सोमवार को विधायक भागचंद टांकड़ा बिजली निगम के इस कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे। सहायक अभियंता (एईएन) सी.एल. सैनी ने विधायक को बताया कि अतिरिक्त फीडर के लिए लगभग 2 किलोमीटर लंबी 11 केवी की भूमिगत लाइन बिछाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि ये अतिरिक्त फीडर तीन दिन में चालू हो जाएगा।

एईएन सैनी ने विधायक को आश्वस्त किया कि इस नए फीडर के चालू होने के बाद फर्स्ट फीडर में लोड बढ़ने पर भी उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से मिलेगी। विधायक टांकड़ा ने मौके पर मौजूद अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) शेरसिंह मीणा और एईएन सैनी को निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए बिजली के पुख्ता इंतजाम पहले से ही किए जाएं और उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय पर समाधान किया जाए।

तीन राज्यों में जीत का जश्न, अजमेर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी के साथ झालमुड़ी खिलाकर मनाई खुशी

स्मार्ट हलचल

अजमेर। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी (पांडिचेरी) सहित कई राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में अजमेर शहर भी जश्न के रंग में सराबोर नजर आया, जहां कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जीत की खुशी पूरे जोश और उमंग के साथ मनाई।

अजमेर के गांधी भवन चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और जमकर आतिशबाजी की। जैसे ही जीत की खबरें सामने आईं, पूरे क्षेत्र में पटाखों की गूंज सुनाई देने लगी। ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता झूम उठे और देशभक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं और खुशी का इजहार किया। इस जश्न की खास बात यह रही कि कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध स्नैक 'झालमुड़ी' खिलाकर भी जीत की खुशी साझा की। इससे जश्न में एक सांस्कृतिक रंग देखने को मिला और उपस्थित लोगों में खासा उत्साह नजर आया।

कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन और सरकार बनने पर

खुशी जताई। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की मजबूत नीतियों पर जनता के भरोसे की जीत बताया। इस दौरान 'भारत माता की जय ', 'वंदे मातरम्' और 'मोदी है तो मुमकिन है' जैसे नारों से गांधी भवन चौराहा गूंज उठा। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि देश के विकास, सुशासन, पारदर्शिता और राष्ट्रहित की नीतियों की जीत है। उन्होंने कहा कि पार्टी आगे भी जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी और देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जश्न के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के सदस्य मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, जोश और एकजुटता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सोनी ने कहा, 'तीन राज्यों में मिली यह जीत पार्टी की विचारधारा, कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास का परिणाम है। अजमेर में कार्यकर्ताओं का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि जनता विकास और सुशासन की राजनीति को स्वीकार कर रही है। '

मंडल अध्यक्ष रचित कच्छावा ने कहा कि यह दिन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और खुशी का दिन है। यह जीत युवाओं के विश्वास की भी जीत है, जो प्रधानमंत्री के विजन के साथ खड़े हैं। हम पार्टी को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। महिला कार्यकर्ता भाविका गंगवानी ने कहा, 'यह जीत महिलाओं, युवाओं और हर वर्ग के सशक्तिकरण की जीत है। सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचा है, जिसका परिणाम आज चुनावी जीत के रूप में सामने आया है। हमें गर्व है कि हम ऐसे संगठन का हिस्सा हैं, जो समाज के हर वर्ग के विकास के लिए समर्पित है।

पुष्कर मे गहलोत का जन्मदिन मनाया

पुष्कर तीर्थ का दुग्धाभिषेक, फिर गौ शाला मे चारा

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस के उपलक्ष मे पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर के नेतृत्व में विशेष उत्साह के साथ धूम धाम से सेवा दिवस के रूप मे मानते हुए किये कई कार्यक्रम, सबसे पहले पुष्कर तीर्थ का दुग्धाभिषेक किया , फिर गौ शाला मे चारा, तत्पश्चात् वृद्धाश्रम मे फल वितरित किये गए।

अंत में पुष्कर तीर्थ की महाआरती कर दीर्घायु व यशस्वी जीवन की कामना की गई।कार्यक्रम मेंद्धजिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ, राजकुमार जयपाल, पूर्व चेयरमैन दामोदर शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी दामोदर मुखीया, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, जगदीश कुर्डिया, बैज नाथ पाराशर, विनोद पाराशर, रमेश गुर्जर, बाबूलाल दग्दी, भागचाद दग्दी, गोपाल तिलानिया, ओम प्रकाश तिगाया, तेज प्रकाश चौधरी, टिकम शर्मा, हेमंत गुर्जर, विकास मुखि़या किशन, लाला, शुभम, अजय, रमेश, संजू, इमरान, अरुण, शिवाजी, सेवाराम सदनानी, लक्की, नरेंद्र, वासु, सहित सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित थे।

जगन्नाथपुर में कार्तिक-पार्वती की प्रतिमाएं स्थापित

नवसृजित गांव में कलश यात्रा के साथ हुई प्राण-प्रतिष्ठा

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। नवसृजित ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में रविवार को ठाकुर जी के मंदिर में कार्तिक और माता पार्वती की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर गांव में धार्मिक उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर गांव के मुख्य मार्गों से पदयात्रा निकाली। भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा गांव गूंज उठा।

कलश यात्रा मंदिर पहुंचने के बाद, विधिवत मंत्रोच्चार के साथ ठाकुर जी के मंदिर में कार्तिक और माता पार्वती की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत विशेष पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी भक्तों को महाप्रसादी वितरित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस धार्मिक आयोजन में गांव के प्रबुद्ध जन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इनमें ग्यारसी लाल रामस्वरूप, हीरालाल जी रामनारायण, सीताराम, रतन, कन्हैया लाल, मदन पटेल, रूपनारायण बागड़ी, जोधाराम और सीताराम सहित कई ग्रामीण शामिल थे। ग्रामीणों ने बताया कि नवसृजित पंचायत बनने के बाद इस तरह के सामूहिक धार्मिक आयोजनों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ रहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी व झालमुरी के साथ मनाया प्रचंड विजय उत्सव

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। ब्यावर विजयनगर भारतीय जनता पार्टी गुलाबपुरा मंडल द्वारा पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की प्रचंड विजय के उपलक्ष्य में टीकम चौराहे पर भव्य विजय उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह राठौड़ के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

विजय उत्सव के दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी कर जीत की खुशी व्यक्त की। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच भाजपा कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक नाचे और भाजपा के झंडे लहराते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पश्चिम बंगाल का प्रसिद्ध व्यंजन झालमुरी रहा, जिसका वितरण कर कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में जीत का जश्न मनाया। विदित रहे कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बंगाल के पारंपरिक फूड झालमुरी का स्वाद लिया था। प्रधानमंत्री द्वारा इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद झालमुरी चुनावी चर्चा का प्रमुख विषय बनी रही।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह राठौड़ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आए चुनाव परिणाम ममता सरकार के कुशासन एवं गुंडाराज के अंत का संकेत हैं। वहीं असम में जनता ने भाजपा सरकार के विकास कार्यों, सुशासन और जनहितकारी नीतियों पर पुनः विश्वास जताया है। पुडुचेरी में भी भाजपा को मिली सफलता कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के समर्थन का परिणाम है।

पूर्व पालिका अध्यक्ष करतार सिंह राठौड़ ने सभी कार्यकर्ताओं को बंगाल में हुई जीत की बधाई देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी गाइडलाइन के अनुसार कार्य करते हुए आगामी नगर पालिका चुनाव में गुलाबपुरा में भाजपा का बोर्ड बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर जनसेवा, विकास और संगठन मजबूती के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में गुलाबपुरा नगर पालिका चुनाव में भी भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ विजय प्राप्त करेगी।

इस मौके पर पूर्व चेयरमैन करतार सिंह राठौड़, पूर्व प्रधान कन्हैयालाल वैष्णव, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष प्रदीप रांका, महामंत्री पीयूष मेवाड़ा, मनोज तोषनीवाल, भाजयुमो नगर संयोजक कृष्णगोपाल त्रिपाठी, ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री महेंद्र सिंह चुण्डावत, शिवनाथ सिंह राठौड़, पूर्व पार्षद रोहित चौधरी, महेन्द्र सिंह जामोला, उपाध्यक्ष मोहिनी देवी, राहुल चोरड़िया, राजू रामदेव बैरवा, मंडल मंत्री मनोज सिंह सिसोदिया, बंशीलाल सोनावा, प्रेम रेगर, पूर्णिमा देवी, संतोष कंवर, कोषाध्यक्ष मनोज सेठी, विजय सिंह पंवार, ओबीसी मोर्चा नगर संयोजक गोपाल वैष्णव, अरिहंत जैन, मंगल सिंह, गोपाल सिंह, मोती सिंह, भरत व्यास, कमलेश आमेटा, राजेन्द्र सिंह, जय सिंह, धन सिंह , सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनावों में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

धन-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1.प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11.योग, 12.प्रहवि, 13.सत्य, 14.इसना 15. अनुग्रह, 16.नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

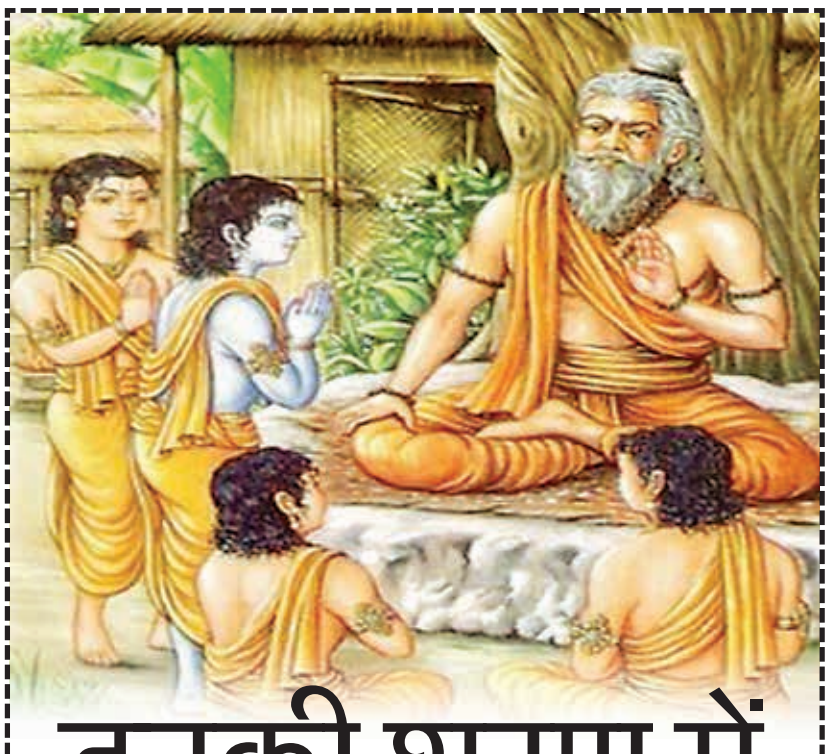

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com